तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

केन्द्रीय विद्यालय रंगापहाड़
डिमापुर नागालैंड

दर्पण

विद्यालय पत्रिका
2020-21

केंद्रीय विद्यालय संगठन

KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN

BINOD KUMAR BEHRA
DEPUTY COMMISSIONER (I/C)
Kendriya Vidyalaya Sangathan
Regional Office Tinsukia

MESSAGE

I am extremely delighted to see Kendriya Vidyalaya Rangapahar bringing out the second edition of its its school magazine "DARPAN" of this session. I am sure that this magazine will delve into the children's world and give the leaders a glance of the artistic thoughts, fancy skills and wonderful mind of these budding writers.

Despite trying times and plethora of challenges, troubles, obstacles and other odds, the modern technological advancement of the current era provides magnificent means to hone the creativity and imagination of our young generation and publication of this magazine is a brilliant example of winning spirit of all our stakeholders.

It is a wonderful sensation to see the school fulfilling its commitments of inspiring and motivating its budding writers and poets to showcase their power of expression while drifting across the horizons of vision and imagination. The magazines also demonstrates the degree of devotion of our dedicated, committed and enthusiastic teachers and effective guidance by Principal to achieve academic excellence and holistic development of our students, for which I extend my heartfelt gratitude.

This magazine is the culmination of the point efforts of a number of students, teachers, staff and the members of the editorial board which is really praiseworthy. I hope that this magazine will certainly prove to be a beacon of light for the posterity.

With best wishes.

BINOD KUMAR BEHRA
DEPUTY COMMISSIONER (I/C)
Kendriya Vidyalaya Sangathan
Regional Office Tinsukia

(ब्रिगेडियर डी. सी. एस. कन्याल , सेना मैडल)
अध्यक्ष विद्यालय प्रबंधन समिति
के. वि. रंगापहाड़ , नागालैंड

संदेश

"सपने वे नहीं जो सोने पर आते है " सपने वे होते हैं जो सोने नहीं देते ,

- ए पी जे अब्दुल कलाम

केंद्रीय विद्यालय रंगा पहाड़ छावनी ई पत्रिका दर्पण 2020-21 का प्रकाशन करने जा रहा है जिसका मुझे अपार हर्ष हो रहा है | सभी लोगों के लिए अपनी अभिव्यक्तियों को साबित करने के लिए एक मील का पत्थर साबित होगी |

जहाँ तक मेरा मानना है किपत्रिका के माध्यम से बच्चों को अपनी लेखन क्षमता को विकसित करने का मौका मिलता है और वे अपनी अभिव्यक्ति की आजादी का अनोखा प्रदर्शन करते हैं | इस ईपत्रिका के माध्यम से बच्चों ने अपने ज्ञान कौशलों को विकसित करने का कार्य किया है |

पत्रिका विद्यालय का दर्पण होती है मैं | केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य, मुख्य संपादक एवं उनकी समिति , शिक्षकों तथा विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देना चाहता हूँ और विश्वास करता हूँ कि आगामी सत्र में भी इसी तरह से पाठ्य सहगामी क्रियाओं को बढ़ावा देते रहेंगे और इस दर्पण के माध्यम से लोगों के विचारों को समाज में प्रतिबिंबित करेंगे जिससे लोगों को जागरूक करने में मदद मिलेगी और विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होगा और देशहित की गतिशीलता बनी रहेगी
हमारी शुभकामनाएं सदैव आप सभी के साथ हैं |

(ब्रिगेडियर डी. सी. एस. कन्याल , सेना मैडल)
अध्यक्ष विद्यालय प्रबंधन समिति
के. वि. रंगापहाड़ , नागालैंड

प्राचार्य की कलम से .....

मातेव रक्षति पितेव हिते नियुक्ते कान्तेव चापि रमयत्यपनीय खेदम् ।

लक्ष्मीं तनोति वितनोति च दिक्षु कीर्तिम् किं किं न साधयति कल्पलतेव विद्या ॥

(विद्या माता की तरह रक्षण करती है, पिता की तरह हित करती है, पत्नी की तरह थकान दूर करके मन को रिझाती है, शोभा प्राप्त कराती है, और चारों दिशाओं में कीर्ति फैलाती है । सचमुच, कल्पवृक्ष की तरह यह विद्या क्या क्या सिद्ध नहीं करती।)

केंद्रीय विद्यालय रंगापहाड़ के ई –पत्रिका 2020-21 के तृतीय वर्ष के प्रकाशन के शुभ अवसर पर मैं अतीव प्रसन्नता का अनुभव कर रहा हूँ | छात्र-छात्राओं की रचनात्मक प्रतिभा को प्रदर्शित करने और उसमें निखार लाने का सबसे प्रभावशाली माध्यम विद्यालय की पत्रिका ही है | 'दर्पण' पत्रिका में विद्यार्थियों को अपनी मौलिकता को प्रदर्शित करने का सुअवसर प्राप्त होता है |

यह पत्रिका बच्चों की प्रखर एवं प्रतिभाशाली लेखन कौशलों को प्रदर्शित करने का सर्वोत्तम साधन है | हम अपने बच्चों को इस तरह से सशक्त बनाने में विश्वास करते हैं कि वे एक सार्थक और मूल्य आधारित समाज के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करें और आधुनिकता के इस परिवेश में अपने को समायोजित कर सकें तथा लेखन के क्षेत्र में उत्तरोत्तर वृद्धि करते हुए अपना ,समाज एवं देश का नाम ऊँचा कर सके ऐसी मेरी शुभ कमाना है |

'दर्पण' ई - पत्रिका 2020-21के तृतीय अंक के ई- प्रकाशन के शुभ अवसर पर मैं उन सभी अभिभावकों, छात्रों, शिक्षक-शिक्षिकाओं, विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष , नामित अध्यक्ष तथा केंद्रीय विद्यालय संगठन के आयुक्त ,उपयुक्त एवं विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को जिन्होंने पत्रिका के लिए अपनी रचनाएँ, सन्देश एवं चित्र प्रकाशनार्थ दिए हैं एवं उन्हें प्रोत्साहित किया है उन सभी के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ।

मैं दर्पण पत्रिका के मुख्य सम्पादक एवं संपादक मण्डल को हार्दिक बधाई देता हूँ। दर्पण की इस ई - पत्रिका के प्रयास से विद्यार्थियों की रचनात्मकता उभर कर सामने आ सकेगी एवं वे उन्नंती के पथ पर अग्रसर हो सकेगें |

मनोज कुमार तिवारी
प्राचार्य
केंद्रीय विद्यालय रंगापहाड़ छावनी

मुख्य संपादक की कलम से .....

" एक समय में एक काम करो, और ऐसा करते समय अपनी पूरी आत्मा उसमे डाल दो और बाकी सब कुछ भूल जाओ |"

- स्वामी विवेकानंद

आप सभी पाठकों के सम्मुख केंद्रीय विद्यालय रंगा पहाड़ की इस 'दर्पण " की ई -पत्रिका 2020 -21 के तृतीय संस्करण को प्रस्तुत करते हुए मुझे अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है | यह ई -पत्रिका विद्यार्थियों की विभिन्न क्षमताओं एवं सृजनात्मकता को कविता, कहानी,लेख तथा पेंटिंग के माध्यम से प्रस्तुत करने का एक सर्वोत्तम मंच है |

मैं उन सभी रचनाकारों को बधाई देता हूँ जिनकी रचनाएं इस पत्रिका में छपने के लिए खरी उतरी हैं | जिनकी रचनाएं इस संस्करण में स्थान ना पा सकी उन्हें निराश होने की आवश्यकता नहीं है उन्हें अच्छे मन, वचन और कर्म से आगामी संस्करण के लिए प्रयास करना चाहिए. क्योंकि डॉक्टर ए पी जे अब्दुल कलाम ने कहा है -

" मुझे पूरा यकीन है कि जब तक किसी ने नाकामयाबी की कड़वी गोली ना चखी हो वो कामयाबी के लिए पर्याप्त महत्वाकांक्षा नहीं रख सकता. " इसलिए आप सभी लोग अपना कर्म करने का प्रयास जारी रखें |

मैं विद्यालय के सम्मानित प्राचार्य श्री मनोज कुमार तिवारी जी का बहुत आभारी हूँ जिन्होंने मुझे इस दर्पण ई-पत्रिका के मुख्य संपादक का कार्यभार प्रदान कर गौरवान्वित किया. मैंने इसके संपादन की सुचिता को बनाए रखने की पूर्ण कोशिश की |

अंत में मैं केंद्रीय विद्यालय संगठन, एवं विद्यालय प्रबंधन समिति के उच्च अधिकारियों को धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने अपने- अपने संदेश के माध्यम से इस विद्यालय एवं पत्रिका की गरिमा को बढ़ाया है. मैं इस पत्रिका में अपने योगदान प्रदान करने वाले विद्यार्थियों,शिक्षकों,विभागाध्यक्षो, तकनीकी सहयोगीयों तथा प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से सहयोग प्रदान करने वालों का शुक्रिया अदा करता हूँ |

मैं आशा करता हूं कि हमारे विद्यालय की एक झलक प्रस्तुत करने में शिक्षकों, विद्यार्थियों का यह अनोखा प्रयास आप सभी को पसंद आएगा इसी आशा के साथ आपका..

(सत्य नारायण गुप्त)
मुख्य संपादक एवं
स्नातकोत्तर शिक्षक (हिंदी)

EDITORIAL BOARD

MENTORS :

MR. MANOJ KUMAR TEWARI (PRINCIPLE), *(Right side}* MRS. SABRA KHAN PGT(COMPUTER SCIENCE), MRS. SHYAMALI BOKALIAL PGT(ENGLISH), MR. KISHAN LAL SARSWAT TGT (SANSKRIT), *(Right side}* MR. SATYA NARAYAN GUIPTA PGT (HINDI), MR. SURESHA P LIBRARIAN,MR. SANDEEP SINGH TGT (AE).

MEMBERS :

MASTER ABHISHEK CLASS VIII, MISS MUSKAN KUMARI, CLASS VII MISS SANDHYA GURUNG XI B, MISS PINKI KUMARI XI A, AMARJEET CHHETRI, XIIB , MISS NEELASHRI CHOKROBORTY VIII, MASTER DIPANKAR DAS VIII.

K.V. RANGAPAHAR FAMILY

FRONT ROW FROM CENTRE :

MR. MANOJ KUMAR TEWARI (PRINCIPLE), *{left side}* MR. VIMAL KUMAR PGT (GEOGRAPHY), MRS ANJU LAMBA PGT (MATHS), MRS. RITA YADAV PGT (BIOLOGY), MS. PINKI GURJAR PGT(ECONOMICS), MR. RAMESH CHAND RAIGAR (PRT), *(Right side}* MRS. SABRA KHAN PGT(COMPUTER SCIENCE), MRS. SHYAMALI BOKALIAL PGT(ENGLISH), MR. SATYA NARAYAN GUIPTA PGT (HINDI), MR. JITENDRA KUMAR SAINI PGT(CHEMISTRY), MR. KISHAN LAL SARSWAT TGT (SANSKRIT).

BACK ROW FROM LEFT :

MR. NARENDRA SINGH PGT(HISTORY), MS. VERMA RINI CHARNESHKUMAR PGT(PHYSICS),MRS. NEELAM KUMARI PRT MS. NEHA BAJAJ PRT, MRS. MEGHA R. WANKHADE PRT, MS.NIDHI SHARMA TGT(MATHS), MRS. SWAPNIL GUPTA PRT(MUSIC), MS. PINKY KUMARI TGT (P&HE), MR. SUMAN BISWAS TGT (ENGLISH), MR. SANDEEP SINGH TGT (AE), MR. SURESHA P LIBRARIAN, MR. BADRI BAHADUR KARKI LAB. ATTENDANT, MR. RAJENDRA PRASAD LAB. ATTENDANT, SH. LUMMAI RONGMAI SUB STAFF.

TOPPER'S BORRD

AISSCE 2021- XII SCIENCE

A RAMESH KUMARAN 92.8%

RINKY KUMARI 92.2%

RISHAV DOBRIYAL 91.6%

AISSCE 2021- XII HUMANITIES

SANDHYA GURUNG 92%

AMARJEET CHETRI 91.4%

KIRONMOYE DUTTA 91.4%

AISSE 2021 -X

BIKAS KUMAR 95%

S KASINATHAN 94%

WASIM ALAM 92%

RESULT ANALYSIS AT A GLANCE CLASS X & XII

Board Examination 2020-21:

Class XII(Science)

No. of students Appeared	No. of students passed	Pass% 2021	Pass% 2020	PI	
				2021	2020
23	23	100	100	62.72	61.04

Class XII(Arts)

No. of students Appeared	No. of students passed	Pass% 2021	Pass% 2020	PI	
				2021	2020
31	31	100	100	62.10	61.88

Class X

No. of students Appeared	No. of students passed	Pass% 2021	Pass% 2020	PI	
				2021	2020
45	45	100	100	**66**	71.47

Subject wise Analysis

Class:XII

Subject	Appeared	Pass%	A1	A2	B1	B2	C1	C2	D1	D2	PI	Rank under KVS RO Tinsukia
Phy	23	100	2	0	7	0	2	2	9	1	49.46	
Chem	23	100	9	5	3	0	4	2	0	0	79.89	2nd Rank
Maths	21	100	0	2	3	2	1	8	5	0	47.62	
CS	16	100	0	1	2	3	1	7	2	0	49.22	
Eng	53	100	2	10	6	8	23	0	3	1	61.56	
Hin	21	100	6	2	8	0	5	0	0	0	77.38	2nd Rank
Bio	06	100	0	2	0	3	1	0	0	0	68.75	4th Rank
Geo	31	100	10	8	8	2	0	3	0	0	81.85	4th Rank
His	31	100	6	12	4	6	3	0	0	0	79.84	5th Rank
Eco	31	100	0	1	2	1	2	5	18	2	34.27	
IP	13	100	0	2	0	1	7	3	0	0	53.85	

Class:X

Subject	Appeared	Pass%	A1	A2	B1	B2	C1	C2	D1	D2	PI	Rank under KVS RO Tinsukia
Hin	45	100	22	0	5	1	10	4	0	3	73.89	1st Rank
Eng	45	100	2	12	9	5	5	3	9	0	62.78	
Maths Stnd.	11	100	2	3	3	3	0	0	0	0	79.55	
Maths Basic	34	100	0	0	1	6	15	12	0	0	48.53	
Sc.	45	100	5	7	8	2	2	13	8	0	58.33	
S.St.	45	100	19	5	5	7	6	2	1	0	78.89	2nd Rank

SESSION ENDING EXAM OVERALL RESULTS 2020-2021

SL. NO.	CLASS	TOTAL ENROLLED	TOTAL APPEARED IN ALL SUBJECTS	TOTAL PASSED IN ALL SUBJECTS	PASS %
1	V	42	40	40	100
	IV	32	32	32	100
	III	33	32	32	100

CLASS: III

SUBJECT	TOTAL APPEARED	TOTAL PASSED	PASS %	NO. OF STUDENTS SCORING GRADES								
				E	D	C2	C1	B2	B1	A2	A1	TOTAL
ENGLISH	32	32	100	0	0	0	0	1	3	13	15	32
HINDI	32	32	100	0	0	0	0	2	6	11	13	32
MATHEMATICS	32	31	96.9	1	0	0	1	1	7	9	13	32
EVS	32	31	96.9	1	0	0	2	5	4	13	7	32

CLASS: IV

SUBJECT	TOTAL APPEARED	TOTAL PASSED	PASS %	NO. OF STUDENTS SCORING GRADES								
				E	D	C2	C1	B2	B1	A2	A1	TOTAL
ENGLISH	32	32	100	0	0	0	0	0	7	11	14	32
HINDI	32	32	100	0	0	0	0	3	4	8	17	32
MATHEMATICS	32	32	100	0	0	3	3	3	4	8	11	32
EVS	32	32	100	0	0	0	0	1	3	22	6	32

CLASS: V

SUBJECT	TOTAL APPEARED	TOTAL PASSED	PASS %	NO. OF STUDENTS SCORING GRADES								
				E	D	C2	C1	B2	B1	A2	A1	TOTAL
ENGLISH	40	40	100	0	0	0	0	2	7	8	23	40
HINDI	40	40	100	0	0	0	0	2	9	8	21	40
MATHEMATICS	40	40	100	0	0	0	0	4	8	14	14	40
EVS	40	40	100	0	0	0	0	2	8	7	23	40

SESSION ENDING EXAM OVERALL RESULTS 2020-2021

SL. NO.	CLASS	TOTAL ENROLLED	TOTAL APPEARED	TOTAL PASSED	PASS %
1	VIII	39	39	38	97.4
	VII	44	44	43	97.7
	VI	42	42	40	95.2

CLASS: III

SUBJECT	TOTAL APPEARED	TOTAL PASSED	PASS %	NO. OF STUDENTS SCORING GRADES								
				E	D	C2	C1	B2	B1	A2	A1	TOTAL
ENGLISH	42	41	97.6	1	4	4	7	14	8	4	0	42
HINDI	42	40	95.2	2	0	13	5	16	2	3	1	42
MATHEMATICS	42	40	95.2	2	2	4	9	13	7	4	1	42
SCIENCE	42	40	95.2	2	0	0	2	5	13	18	2	42
SOCIAL SCIENCE	42	41	97.6	1	3	1	15	15	5	2	0	42
SANSKRIT	42	40	95.2	2	1	10	8	8	9	1	3	42

CLASS: IV

SUBJECT	TOTAL APPEARED	TOTAL PASSED	PASS %	NO. OF STUDENTS SCORING GRADES								
				E	D	C2	C1	B2	B1	A2	A1	TOTAL
ENGLISH	44	43	97.7	1	2	8	6	4	10	10	3	44
HINDI	44	37	84.1	7	2	8	1	5	7	10	4	44
MATHEMATICS	44	42	95.5	2	1	6	7	10	3	11	4	44
SCIENCE	44	41	93.2	3	2	7	4	7	9	7	5	44
SOCIAL SCIENCE	44	44	100	0	0	2	6	15	10	2	9	44
SANSKRIT	44	39	88.6	5	3	6	5	4	7	8	6	44

CLASS: V

SUBJECT	TOTAL APPEARED	TOTAL PASSED	PASS %	NO. OF STUDENTS SCORING GRADES								
				E	D	C2	C1	B2	B1	A2	A1	TOTAL
ENGLISH	39	36	92.3	3	3	2	7	6	11	4	3	39
HINDI	39	37	94.9	2	1	7	6	12	5	4	2	39
MATHEMATICS	39	38	97.4	1	3	5	8	10	8	3	1	39
SCIENCE	39	36	92.3	3	1	4	2	11	9	6	3	39
SOCIAL SCIENCE	39	37	94.9	2	0	4	2	6	12	10	3	39
SANSKRIT	39	36	92.3	3	5	1	1	5	10	10	4	39

VMC MEETING

OPPO A53 · By sandeep

OPPO A53 · By sandeep

OPPO A53 · By sandeep

OPPO A53 · By sandeep

WELCOME
TO
OPPO A53 · By sandeep

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस

राष्ट्रीय खेल दिवस

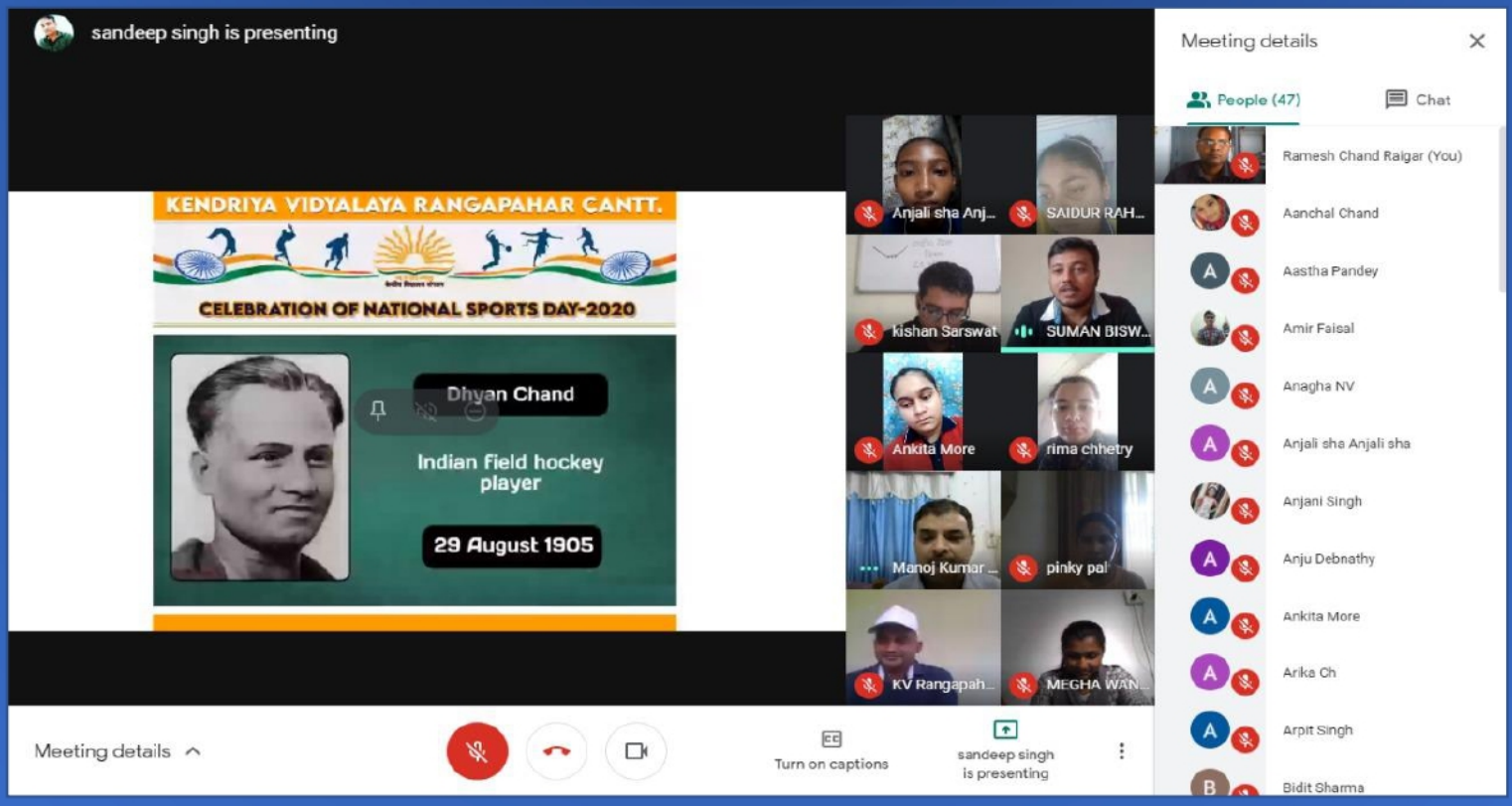

INTERNATIONAL DAY OF PEACE

PARENTS TEACHERS MEETING

Independence Day 2020

Republic Day 2020

CMP MEETING

NATIONAL SCIENCE DAY

CMP Meeting

FIT INDIA Movement

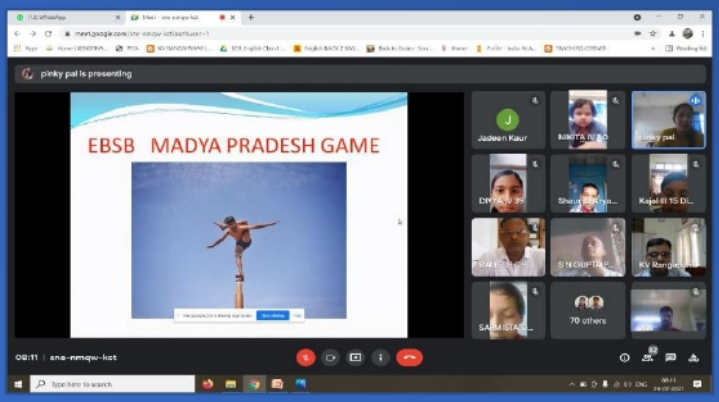

ACADEMIC SUPERVISION

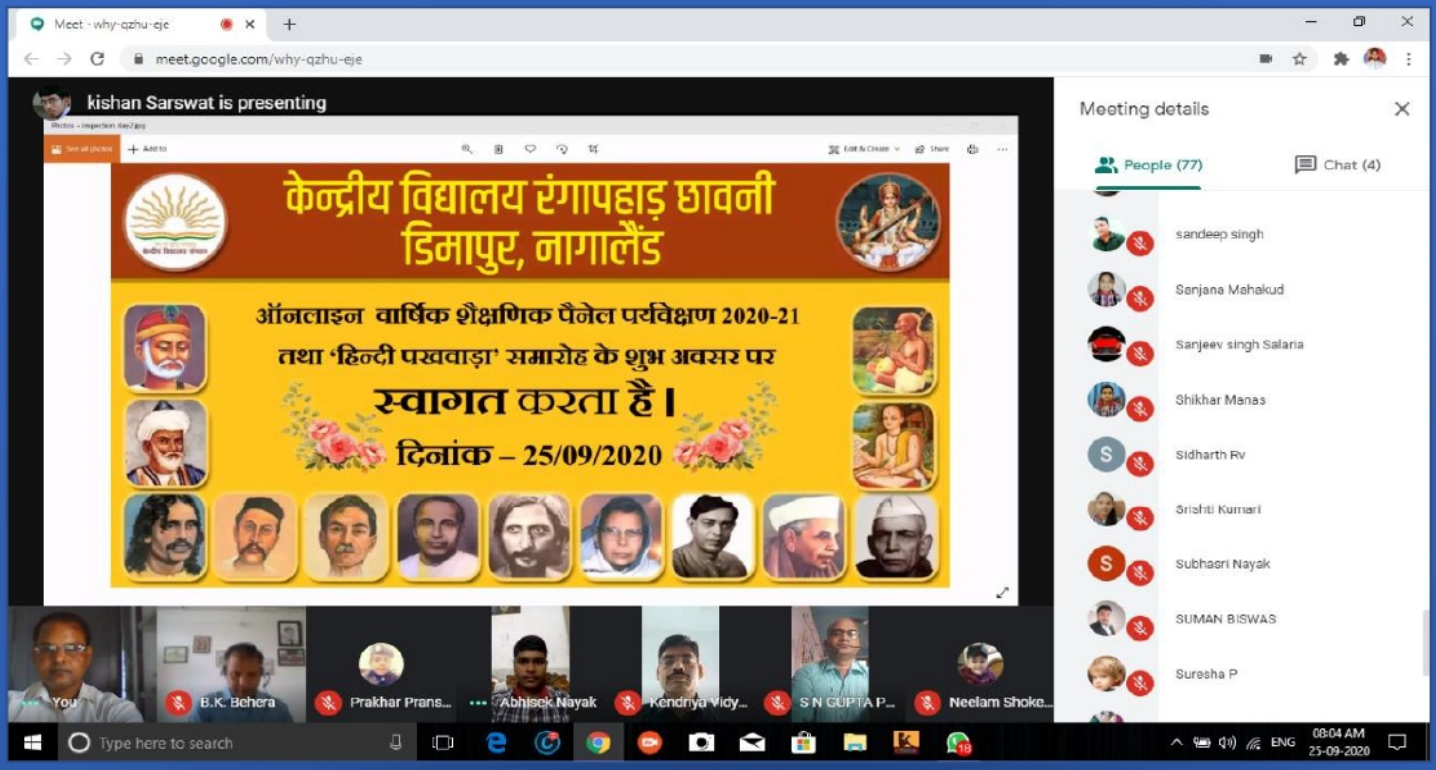

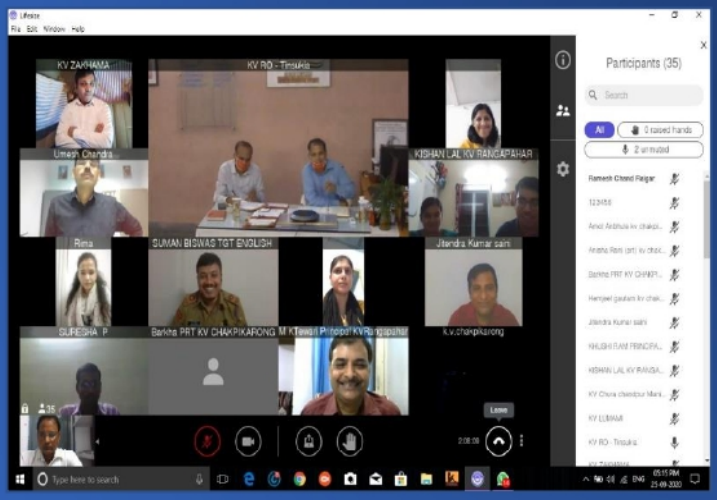

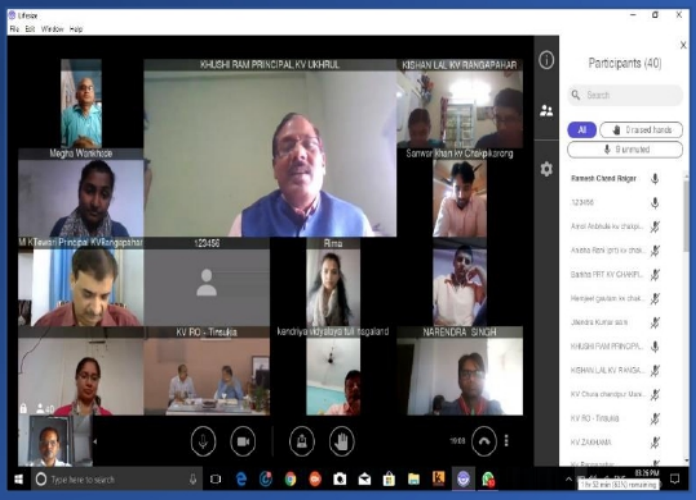

SURPRISE SUPERVISION

WOMEN'S DAY

Morning Assembly

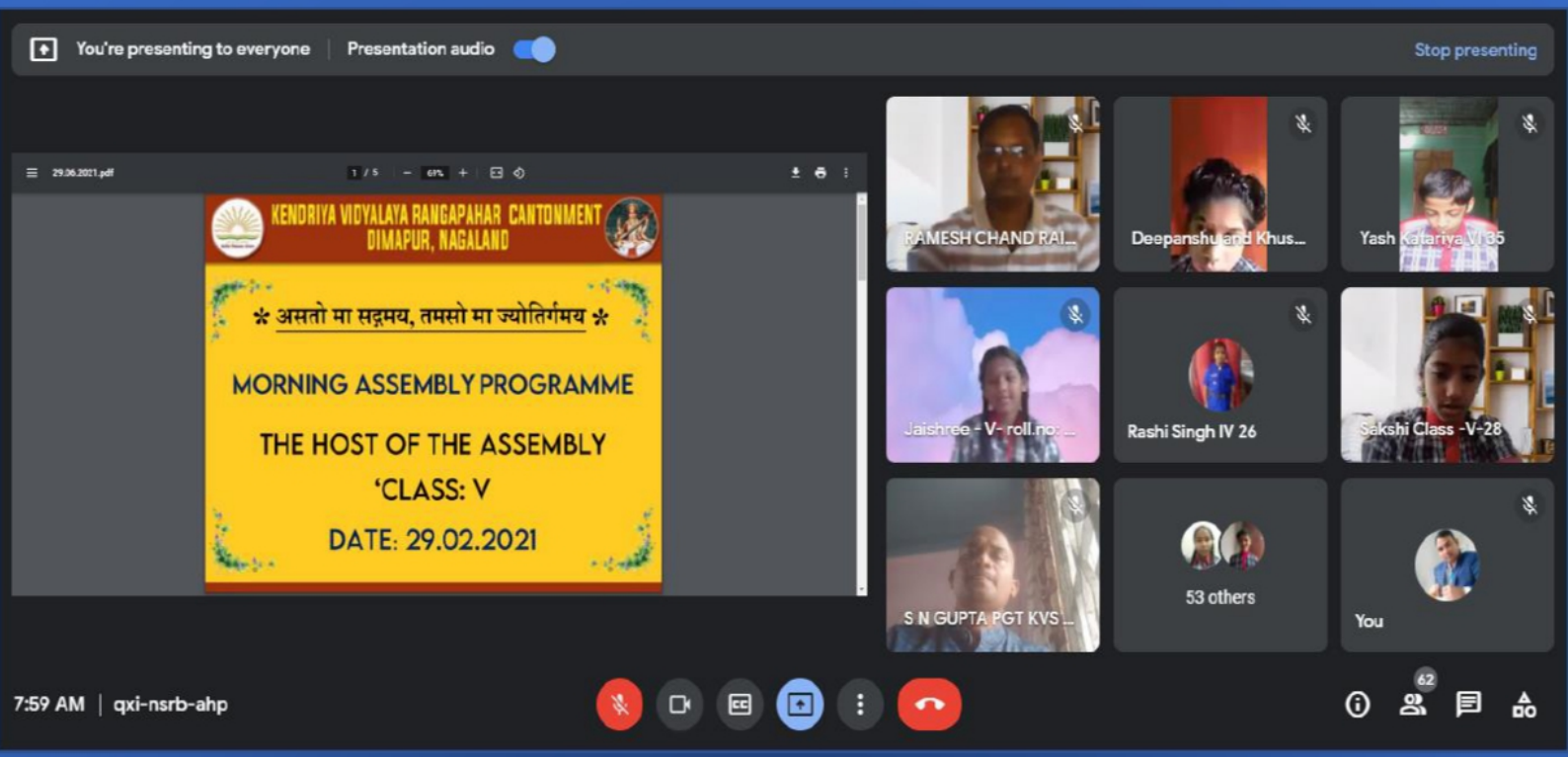

EK BHARAT SHRESHTH BHARAT

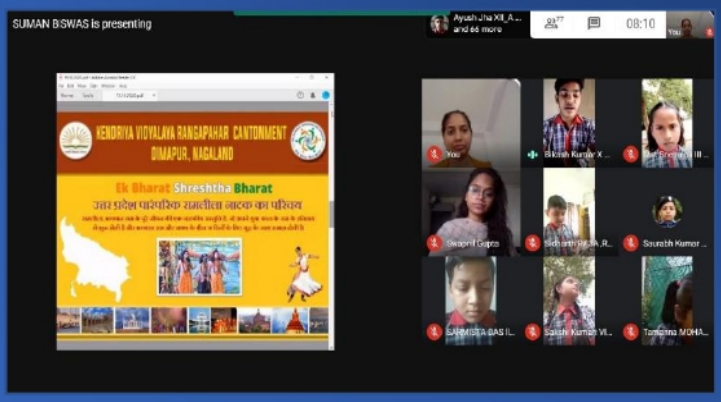

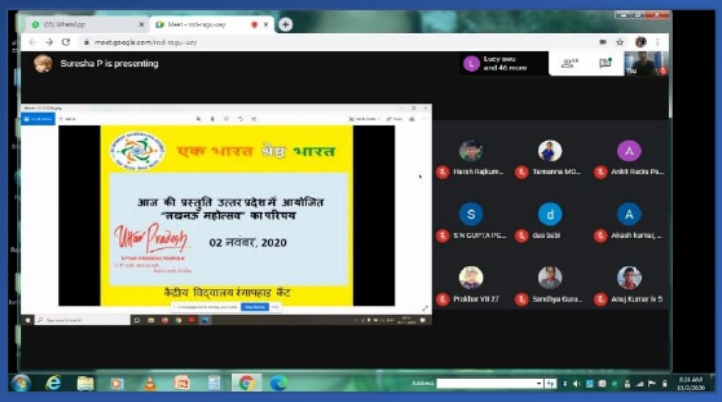

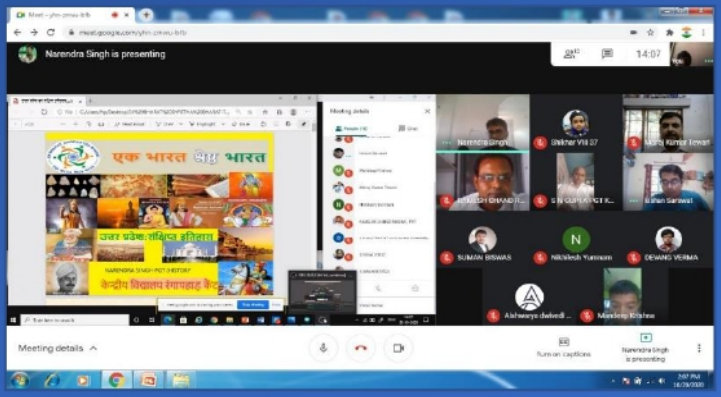

हिंदी विभाग

बेटी

जब-जब जन्म लेती है बेटी ,

खुशियाँ साथ लाती है बेटी।

ईश्वर की सौग़ात ही बेटी ,

सुबह की पहली किरण है बेटी।

तारों की शीतल छाया है बेटी,

आँगन की चिड़िया है बेटी।

त्याग और समपण सिखाती है बेटी,

नये नये रिश्ते बनाती हैं बेटी।

बेटी की कीमत उनसे पूछो,

जिनके पास नहीं हैं बेटी।

नाम:- सजींव सिंह सलारिया

माता पिता

माता पिता का करो सम्मान

वह है हमारे भगवान

यही हमें पढ़ाते हैं

यही हमें सिखाते हैं

हमारे पहले गुरु माता पिता ही होते हैं

हमारे पहले भगवान माता पिता ही होते हैं

माता-पिता अपना सब कुछ हमें देते हैं

और बदले में थोड़ा सा प्यार लेते हैं

नाम : महिमा किरौला

कक्षा : 10

शिक्षक

जीवन में जो राह दिखाए,
सही तरह चलना सिखाये।
मात- पिता से पहले आता,
जीवन में सदा आदर पाता।

सबको मान प्रतिष्ठा जिससे,
सीखी कर्तव्यनिष्ठा जिससे।
कभी रहा न दूर में जिससे,
वह मेरा पथदर्शक है जो।
मेरे मन को भाता,
वह मेरा शिक्षक कहलाता।

कभी है शांत कभी है धीर,
स्वभाव में सदा गंभीर,
मन में दबी रही ये इच्छा,
काश में उस जेसा बन पाता,
जो मेरा शिक्षक कहलाता।

छवि शर्मा
कक्षा 'X'

स्कूल की पत्रिका

आ गई है स्कूल की पत्रिका
छा गई है स्कूल की पत्रिका
बच्चों के दिल में समा गई पत्रिका
हर जगह वह तो छा गई पत्रिका

मेरा नाम आया है
स्कूल की मैगज़ीन में छाया है
दिल में खुशियाँ लाया है
दोस्तों को भाया है

मेरे लेखन का सुधार होता
जी वन का सुधार होता
आ गई है स्कूल की पत्रिका
छा गई है स्कूल की पत्रिका

नाम - अंजली कुमारी
कक्षा - दसवीं

साहस की जिंदगी

साहस की जिंदगी सबसे बड़ी जिदंगी होती है ऐसी जिदंगी की सबसे बड़ी पहचान यह है कि वह बिल्कुल निडर, बिल्कुल बेखौफ होती है साहसी मनुष्य की पहली पहचान यह है कि वह इस बात की चिंता नहीं करता कि तमाशा देखने वाले लोग उसके बारे मे क्या सोच रहे हैं जनमत की उपेक्षा करके जीने वाला आदमी दुनिया की असली ताकत होता है और मनुष्यता को प्रकाश उसी आदमी से मिलता है अड़ोस-पड़ोस को देखकर चलना यह साधारण जीव का काम है क्रांति करने वाले लोग अपने उदेश्य की तुलना न तो पड़ोसी के उद्देश्य से करते हैं और न अपनी चाल को ही पड़ोसी की चाल देखकर मद्धिम बनते हैं

मुस्कान कुमारी

कक्षा :दसवीं, 10

बुद्धिमान बूढ़ा आदमी।

यह गर्मी का दिन था जब एक बूढ़ा आदमी बगीचे मे टहल रहा था। वह बहुत भूखा था। अचानक टहलते- टहलते उसे एक बड़ा आम का पेड़ दिखाई दिया।परंतु आम का पेड़ बहुत उँचाई पर था।वह बूढ़ा आदमी निराश हो गया।जब वह निराश होकर बगीचे से लौट रहा था तो उसने आम के पेड़ पर एक बंदर देखा। उसने एक उपाय सोचा।बूढ़े आदमी ने जमीन से पत्थर इकट्ठा किये और एक-एक करके पत्थर बंदर की ओर फेंकने लगा।बंदर का स्वभाव नकल करना होता है।वह बंदर भी पेड़ से आम तोड़कर बूढ़े आदमी की ओर फेंकने लगा। कुच समय बाद जमीन पर बहुत सारे आम इकट्ठे हो गए। उस बूढ़े आदमी ने जमीन पर गिरे हुए सारे आम एक टोकरी मे इकट्ठे किया और खुशी-खुशी आम खाया। बुद्धिमत्ता से हर कठिनाई को सुलझाया जा सकता है।

नाम :मधु

कक्षा: 10

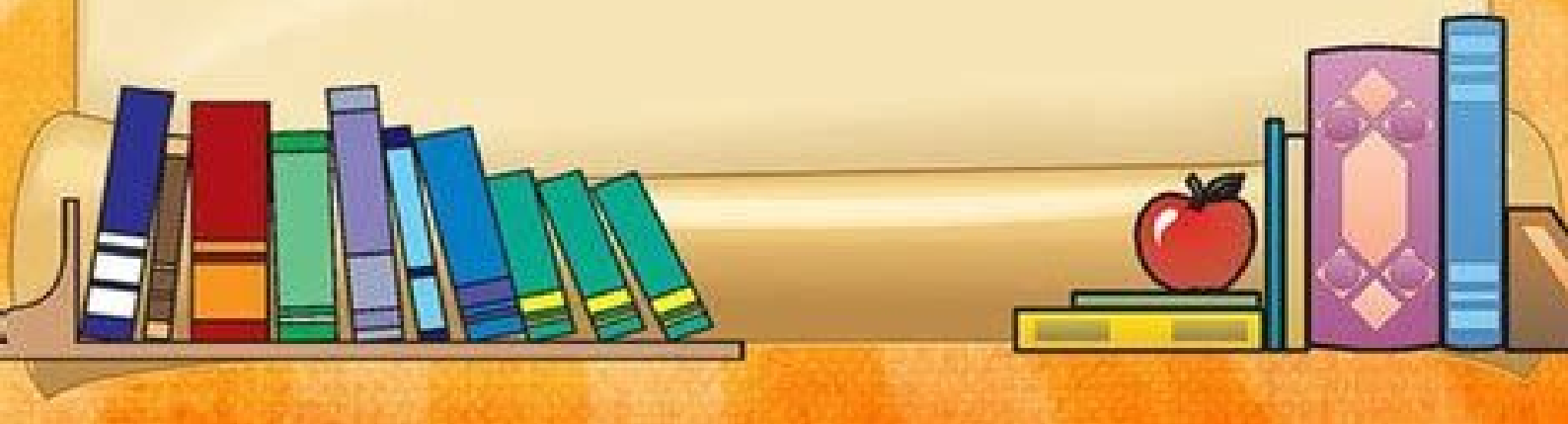

ईमानदारी का इनाम

एक गांव में रामलाल नाम का एक व्यक्ति रहता था। वह घर को रंगने का काम करता था। वह अपना काम बड़ी ईमानदारी और मेहनत से करता था। मेहनत करने के बाद भी बहुत कम कमा पाता था।

जिससे की उसकी केवल दो समय की रोटी का जुगाड़ ही होता था। वह ज्यादा काम करना चाहता था। एक दिन गांव के जमींदार ने रामलाल को बुलाया। रामलाल जमींदार के पास गया।

जमींदार ने कहा की मेरे पास एक नांव है तुमको उस पर रंग करना है और उसको रंग आज के दिन ही करना है। रामलाल ने जमींदार को बोला की वह रंग कर देगा। जमींदार ने रामलाल से रंग करने का रेट पूछा तो रामलाल ने बोला की वह रंग करने का 1500 रूपए लेगा।

इसके बाद जमींदार ने रामलाल को नदी के किनारे खड़ी नाव दिखा दी। रामलाल अपने घर से रंग लाकर बड़ी सफाई के साथ उसमे रंग करने लगा। वह जब रंग कर रहा था तो उसको नाव में एक छेद नज़र आया।

उसने सोचा यदि मै इसके ऊपर केवल रंग कर दूंगा तो यह नाव डूब जाएगी। इसलिए पहले उसने उस छेद को भरा फिर उस पर रंग किया। नाव के रंग का काम पूरा होने पर वह जमींदार को नाव दिखाने लाया।

जमींदार ने नाव को देखने के बाद पैसे अगले दिन देने की बात की। जिसके बाद रामलाल चला गया। अगले दिन जमींदारके बीवी बच्चे उस नाव में बैठकर नदी के पार घूमने के लिए चले गए।

शाम को जब जमींदार का नौकर लौटा तो उसने घर के बाकी सदस्यों को घर में न देखकर जमींदार से पूछा तो जमींदार ने बताया की वह नाव में बैठकर नदी के पार घूमने गए है। नौकर ने जमींदार को बताया की उस नाव में तो छेद था।

जमींदार इस बात से बहुत परेशान हो गया। इसके कुछ देर के बाद ही जमींदार की बीवी और बच्चे घर सकुशल लौट आये। उनको पता चल चूका था की रामलाल ने नाव में रंग करते समय उस छेद को भर दिया।

इसके बाद जब रामलाल अपने पैसे लेने आया तो जमींदार ने उसको पैसे दिए। रामलाल ने गिने तो उसमे 6000 रूपए थे। रामलाल ने कहा आपने गलती से मुझे ज़्यादा रूपए दे दिए है।

रामलाल ने कहा की नहीं यह तुम्हारे काम का इनाम है जो तुमने किया है। तुमने नाव में रंग करते समय जो छेद भरा था। उसकी वजह से मेरे परिवार की जान बच गयी। रामलाल पैसे लेकर घर चला गया। वह बहुत खुश था।

सीख : ईमानदारी और मेहनत से काम करने का नतीजा हमेशा अच्छा ही होता है।

नाम:खुशी नोमोसुद्रो

कक्षा:दस

रीसाइक्लिंग की जरुरत

रीसाइक्लिंग अतिरिक्त संसाधनों की आवश्यकता के बिना समाज को बहुत अधिक उपयोगी उत्पाद प्रदान करने के अलावा पर्यावरण का बचाव करने में मदद करता है। इसके महत्व को कई मायनों में देखा जा सकता है। जनता को इसके महत्व के बारे में शिक्षित करना आवश्यक है ताकि वे पूरे दिल से इसके प्रति अपना योगदान दें।

नीचे दिए कारणों में रीसाइक्लिंग सहायक हो सकती है:

रीसाइक्लिंग पृथ्वी को बचाता है - एक उत्पाद का पुनर्नवीनीकरण पर्यावरण को सुरक्षित रखने में मदद कर सकता है। उदाहरण के लिए कागज को रीसाइक्लिंग करने के कारण अधिक पेड़ों को काटे बिना पेपर उत्पादन का परिणाम हो सकता है।

पुनर्चक्रण ऊर्जा बचाता है - सामग्री से एक नया उत्पाद बनाने की अपेक्षा उसी उत्पाद को रीसाइक्लिंग करने से कम ऊर्जा खर्च होती है। उदाहरण के लिए नए एल्यूमीनियम उत्पाद को बनाने के लिए बहुत अधिक ऊर्जा खर्च होती है। इस प्रकार एक पुराने एल्यूमीनियम को फिर से रीसाइक्लिंग करके हम धातु का पुन: उपयोग कर सकते हैं और बड़ी ऊर्जा खर्च होने से बच सकते हैं जो पर्यावरण की सुरक्षा में मदद करती है।

रीसाइक्लिंग ग्लोबल वार्मिंग को कम करने और प्रदूषण को कम करने में मदद करता है - रीसाइक्लिंग के मुख्य लाभों में से एक ऊर्जा बचत है। कार्बन या ग्रीनहाउस गैसों, जो वातावरण के लिए बहुत हानिकारक है यदि वे उत्सर्जित हो जाती हैं, के कम उत्सर्जन में ऊर्जा की बचत के परिणाम देखने को मिलते हैं जो कि ऊर्जा उत्पादन द्वारा गठित उप-उत्पाद है।

लैंडफिल में रीसाइक्लिंग अपशिष्ट उत्पाद को कम कर देता है - अपशिष्ट जिसे पुनर्नवीनीकरण नहीं किया जा सकता वह आम तौर पर लैंडफिल में डाला जाता है। यहाँ कचरे को क्षय, सड़ांध या विघटित होने के लिए छोड़ दिया जाता है और यह पूरी तरह से विघटित करने के लिए कई साल ले सकता है। अधिक से अधिक कचरे को लैंडफिल में भेजा जा रहा है और यदि भविष्य में लैंडफिल भेजने की बजाए रीसाइक्लिंग नहीं की गई तो लैंडफिल की जगह हमारे घरों के ठीक पीछे हो सकती है।

रीसाइक्लिंग पैसे बचाने में मदद करता है - पुनर्नवीनीकरण वस्तुओं पर आमतौर पर कम लागत लगती है। पुरानी सामग्री और बहुत कम ऊर्जा का उपयोग करके पुनर्नवीनीकरण उत्पाद को बहुत कम राशि पर बेचा जा सकता है। इसके अलावा रीसाइक्लिंग के लिए बेकार कचरे को बेचना फ़ायदे का सौदा है।

नाम-बी कुमुदा सौजन्या

कक्षा- XII- अ

"संघर्ष बिना ना जीत है "

मन के हारे हार है,

मन के जीते जीत है

कष्ट भरे इस जीवन पथ में,

संघर्ष बिना ना जीत है...

गर थके हो, तब भी उठो,चलो,

टूटे हो तब भी सहेजों खुद को,

बिखरे हो तब भी समेटो खुद को,

हृदय में साहस है तो,

कष्ट की ऊष्मा में भी शीत है...

मन में टूटे हुए सपनों की

चुभन होगी,

तभी तो उन्हें पूरा करने की

लगन होगी,

जब तक हैं सांसे बाकी

देह में है प्राण,

तब तक हारिए ना हिम्मत

बिसारिए ना राम,

जग की यही तो रीत है...

है कहा सच ही किसी ने,

जीवन का सार यही,

दौड़ो, दौड़ नहीं सकते तो चलो,

चल नहीं सकते तो रेंगो

मगर गतिमान रहो,

ठहरो नहीं क्योंकि,

गतिशीलता ही नवगीत है...

संघर्ष बिना ना जीत है....

शिखर कक्षा IX

मेरी माँ।

तेरे आँचल में जाऊँ तो मिल जाए सारा जहाँ मुझे मुझमे ही तेरे प्रण बसे और मुझमे ही तेरी सारी खुशियाँ तू जो साथ हो तो हल हो जाए सारी कठिनाइयाँ तू जब सर पर हाथ रखे तो समझू हुआ सवेरा ।

नाम- कोमल

कक्षा - 10

माँ

माँ होती ममता की सूरत ,

माँ होती है भगवान की मूरत।

इनके चरणों में चारो धाम ,

आओ माँ को करे प्रणाम।

माँ से लगता सब जग प्यारा ,

माँ से बढ़कर कौन सहारा ?

माँ ही है जीवन की धारा

माँ से बढ़कर कौन सहारा।

करण सिंह

कक्षा 10

अनुक्रमांक 9

कोशिश कर हल निकलेगा

आज नहीं तो कल निकलेगा

अर्जुन के तीर सा सुधा

मरुस्थल से भी जल निकलेगा

मेहनत कर पौधों को पानी दे

बंजर जमीन से भी जल निकलेगा

ताकत जुटा हिम्मत को आग दे

फौलाद का भी बल निकलेगा

जिन्दा रख दिल में उम्मीदों को

गरल के समन्दर से भी गंगाजल निकलेगा

कोशिश जारी रख कुछ कर गुजरने की

जो है आज थमा थमा सा चल निकलेगा

नाम - सुरूचि कुमारी

कक्षा - 10

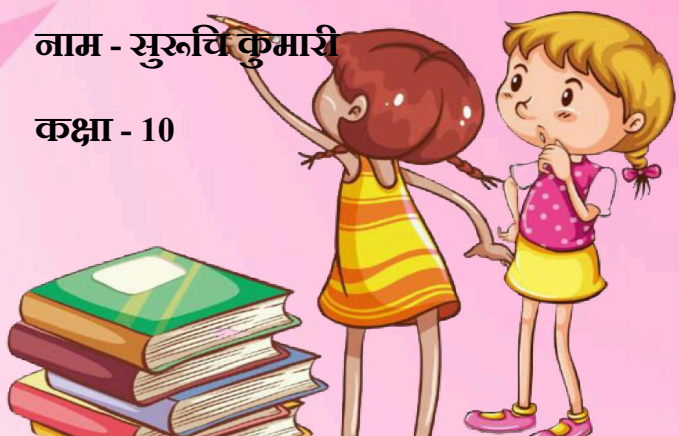

परिश्रम

मुड़ जाती हैं हाथों की लकीरें अगर हिम्मत हैं तूफानों से लड़ने की ।
होते होते पीछे ही हो जाते हैं बात जो हमेशा करते किस्मत की॥

किस्मत में ही लिखा हो ऐसा, अगर हासिल होगा कुछ करते रहने से ।

पूरे होंगे सारे सपने एक दिन, मगर वो दिन नही आता बैठे रहने से ॥

नाम :- सात्विक मिश्रा

कक्ष: :- दसवी अ

मन कहीं नहीं भटका है

ऊपर एक बादल अटका है

जो तुझ को छू कर आया है

मेरे मन के आँगन में बरसा है

चाँद कहीं नहीं भटका है

दिल के आसमाँ में लटका है

तेरे मन को छू कर आया है

मेरे तन के आँगन में चमका है

नाम- बी. गणेश

कक्षा- नवी

कोरोना महामारी, बनी सुअवसर|

सन् उन्नीस, दिसंबर में कोरोना ने पाँव पसारे | अर्थव्यवस्था शिक्षा खेल सबको किया किनारे||
जीना दूभर हुआ सभी का पड़ गए अन्न के लाले | घर के अंदर सिमट गए सब चुभने लगे डरावने भाले||
संपूर्ण विश्व को लिया चपेट में इसने कहर बरपाया | उठने लगी अनगिनत अस्थियाँ कुछ समझ न कोई पाया||
रिश्ते-नाते टूट गए सब, सब के सब कुछ छूट गए जब | सोच में डूबा विश्व तब, बचना है इससे सबको अब||
बनी चुनौती यह जीवन की ,बचने का उपाय निकाला | दवा, योग ,वैज्ञानिकता ने इसे सुअवसर में परिवर्तित कर डाला ||
बार-बार घर द्वार आदि को इसने सैनिटाइज करवाई | ना सटो एक दूसरे से अब, सामाजिक दूरी बनवाई||
साबुन और स्वच्छता का उपयोग इसने बतलाया| दैनिक जीवन में स्वच्छता अपनाने का पाठ सिखलाया||
नियमित योग और साधना की आदत इसने डलवाई | विना विद्यालय गए सभी से पढ़ाई ऑनलाइन करवाई||
घर में रहकर कार्यालय के कार्य सभी ने करना सीखा | जीवन की इस कठिन घड़ी में सब की थी यह अग्नि परीक्षा||
सहयोग और सहानुभूति सबके मन में,मानवता जागी | सीमित संसाधन में जीना सीखा ,भोग विलास की वस्तु को त्यागी||
हुआ संपूर्ण विश्व उदार, मिलकर रहना बतालाया | बिना मिले, दूर रहकर भी कार्य करना सिखलाया||
नई तकनीकी, नए कौशलों का हुआ सभी में विकास | स्व अध्ययन ,गृह कार्य पद्धति का फैला चहुँ ओर प्रबल प्रकाश ||
लौटे सभी प्राचीन पद्धति पर, जड़ी-बूटी अपनाई | बना किचन में काढ़ा प्रतिदिन ,सब ने खूब पिलाई||
हाथ मिलाना छोड़ सभी ने 'नमस्ते' अपनाया| भारतीय संस्कृति का अनोखापन पूरे विश्व को भाया||
नए यंत्र ,नवनूतन सृजन ,गांव-गांव में फैलाया| प्रदूषण और विषाणु से बचने को सबने " मास्क" लगाया||
लाक डाउन लगने पर सब ने, कुछ नूतन करने की ठानी | जगी लालसा अद्भुत,अनोखेपन की, नहीं किया मनमानी||
जीवन के इस विकट समय में, आत्मनिर्भर बनवाया| अपने कार्य कौशलों से, कोरोना योद्धा ने लोहा मनवाया||
नई दवा और नई खोज का हुआ विश्व में आगाज| इस तरह कोरोना की चुनौती बन गई सुअवसर आज||

सत्य नारायण गुप्ता) स्नातकोत्तर शिक्षक हिंदी

नैतिकता की बातें

1. सुबह उठकर माता-पिता के पैर छूना चाहिए I
2. दैनिक क्रियाओं से निवृत होना चाहिए I
3. प्रतिदिन ब्रश, स्नान और ध्यान करना चाहिए I
4. हमें समय पर नाश्ता करना चाहिए I
5. अपने से बड़ो की आज्ञा का पालन करना चाहिए I
6. विद्यालय समय पर जाना चाहिए I
7. प्रतिदिन व्यायाम और प्राणायाम करना चाहिए I
8. सभी से भाईचारे का नाता रखे I
9. हमें सभी का सम्मान करना चाहिए I
10. हमें अनुशासन का पालन करना चाहिए I
11. अपना कार्य समय पर पूरा करना चाहिए I
12. हमें अपने देश का सम्मान करना चाहिए I

रमेश चंद रैगर
प्राथमिक शिक्षक
केन्द्रीय विद्यालय रंगापहाड़

कोरोना के कारण जीवन में आए परिवर्तन

इस कोरोना काल ने हमे कई तरह के सवालों और विचारों से रूबरू करवाया या ये कहे ये मानव जाति की आंखे खोलने को ही आया था। इस कठिन समय में हमने इंसानों के कई रूप देखे कुछ में मानवता की हद देखने को मिली कही ये भी देखने को मिला की अपनी स्वार्थ सिद्धि के लिए लोग किस हद तक इंसानियत भूल सकते है। अमीर हो या गरीब सब को एक जगह ला कर खड़ा कर दिया।इंसानों ने सबक सीखा की पैसा जिंदगी से ज्यादा अनमोल नही है एक छोटे से वायरस ने ऐसा विकराल रूप दिखाया की न सिर्फ भारत में अपितु सम्पूर्ण मानव समाज को कैद कर के रख दिया जिस भागदौड़ भरी जिंदगी में लोगो को बैठने की चैन से सांस लेने की फुरसत नंही थी वहां लोग महीनो घर में कैद होने को मजबूर होना पड़ा। यही वो वक्त था जब लोगो को समझ आया की भागदौड़ में उन्होंने जिंदगी को कितना पीछे छोड़ दिया था। लोगो ने समझा की परिवार और रिश्ते पैसों से कहीं ज्यादा अहम है।माना कि कई लोगो ने इस महामारी के दौर में अपने अपनो को खोया है पर एक बहुत बड़ी संख्या में रिश्तों ने नया जन्म भी पाया है । जिस तरह लोगो ने इस कठिन समय में परस्पर सहयोग दिखाया है ये साबित करता है की लोगो में आज भी इंसानियत जिंदा है तभी तो इतना कठिन दौर हम पार कर पा रहे है। लाखों की नौकरियां चली गई गरीब वर्ग सड़को पर आ गया पर ऐसे समय में कुछ लोग फरिश्तों की तरह उनके जीवन में आए ऐसा ही बहुत बड़ा नाम हम जानते है सोनू सूद के रूप में ऐसे कठिन समय में जिस तरह उन्होंने मानवता की मिशाल पेश की है की हर भारतीय न सिर्फ उनका प्रशंसक है बल्कि एक बहुत बड़ा वर्ग उनका ऋणी है चाहे वो मजदूरों को सलामत रूप से घर पहुंचाना हो, गरीबों को अनाज उपलब्ध करवाना हो नौकरी दिलवाना हो और अब तो ऑक्सीजन और बेड की जरूरतों को पूरा करने का काम हो। वो बंदा हर जगह पीछे नही हटा और हर संभव प्रयास किया मदद पहुंचाने को ठीक उन्हीं की तरह हर शहरो मे लोगो ने तथा कई समाजिक संगठनों ने आगे आकर ना सिर्फ लोगो का हौसला बढ़ाया मदद के लिए प्रेरित किया बल्कि जान की परवाह किए बिना लोगो की मदद को आगे आए यह ये दर्शाता है की लोगो में आज भी इंसानियत जिंदा है।वही दूसरी और ऐसे लोग भी है जिन्होंने मानवता को शर्मशार करने में कोई कसर नही छोड़ी मौके का फायदा उठाया अनाज से लेकर दैनिक जरूरत की चीजे हो या दवा से लेकर ऑक्सिजन लोगो ने कालाबाजारी करने में कोई कसर नही छोड़ी मैं समझ भी नंही पाती किस तरह के लोग है ये इनमे इंसानियत नाम मात्र भी नही जहां एक और मौत तांडव कर रही है इस तरह की मुनाफाखोरी और कालाबाजारी उन्हें सोने कैसे देती है।मौत के आंकड़े डराने वाले है रोज हजारों की मौत की खबर मन विचलित कर देती है और ये किस तरह के लोग है जिन्होंने मौत को भी व्यापार बना दिया। ये माहोल देख कर भी जो नहीं सीख पाया।इसलिए ही कहा गया है प्रकृति से छेड़छाड़ न करो कल जब पानी के पैसे चुका रहे थे सब ठीक था आज सांसे भी खरीदनी पड़ रही है ये कैसा समय आ गया है अब भी लोग नहीं समझे तो आने वाले समय में इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी।

प्रसाद गुन्डारगी

कक्षा ९

रोचक तथ्य

- इंसानी शरीर से आधे घंटे में इतनी गर्मी निकलती है जिससे दो लीटर पानी उबाल लिया जाए |
- एक व्यक्ति पूरी जिंदगी में इतनी लार बनाता है जिससे दो स्विमिंग पूल भर जाए |
- एक स्वस्थ व्यक्ति को गहरी नींद में सोने में सिर्फ साथ मिनट का समय लगता है |
- एक जोरदार छींक में इतनी ताक़त है की वो आपकी पसलिया तुड़वा सकती है |
- अगर आप आँख खोल के छींकने की कोशिश करे तो संभवतः आपकी आईबॉल टूट सकती है |
- लोग हर शाल शार्को के हमला करने से ज्यादा शिर पर नारियल गिरने से मारे जाते है |
- रात की बजाय हम सुबह एक सेंटीमीटर लम्बे रहते है |
- मानव शरीर में एक चिम्पांजी से ज्यादा बाल पाए जाते है |
- हमारे चेहरे के बाल जल्दी बढ़ते है अन्य अंगो की अपेक्षा |
- लगभग ७५% लोग सर पर पानी डाल कर नहाना शुरू करते है |
- सिर्फ मानव ही ऐसा जीव है जो निगलना और साँस लेना एक साथ नहीं कर सकता |
- अगर हमारी शरीर की सभी नशो को आपस में जोड़ दिया जाए तो वो पूरी पृथ्वी को एक बार लपेट सकती है |
- सिर्फ एक घंटा हेडफ़ोन लगा लेने से हमारे कान में जीवडुओ की संख्या ७०० तक बढ़ जाती है |
- हमारा इम्यून सिस्टम दिन भर में एक ऐसी कोशिका को मरता है जो कैंसर का कारण बन सकती है |
- धरती पर मौजूद सभी इंसानो की अपनी एक अलग खुशबू होती है |
- एक औसतन इंसान दिन में 10 बार हँसता है |
- हमारे शरीर की सबसे ताक़तवर मांसपेशी जीभ है |
- एक व्यक्ति के दिन भर में औसतन ५० से १०० बाल झड़ते है, पर कहाँ जाते है ये किसी को नहीं पता |
- आपका दिल एक दिन में १००००० बार धड़कता है |
- उंगलियों के नाख़ून पैरो की तुलना में ज्यादा तेजी से बढ़ते है |
- एक मनुष्य अपने जीवन काल में २७००० किलो भोजन खा जाता है, जो ६ हाथियों के वजन के बराबर है |
- •मानव हृदय में बहुत ताक़त होती है ये बहुत ताक़त से खून को पंप करता है, यदि ये शरीर के बाहर पंप करे तो खून को लगभग ३० मीटर ऊपर फेक सकता है |

राहुल कुमार
कक्षा 7

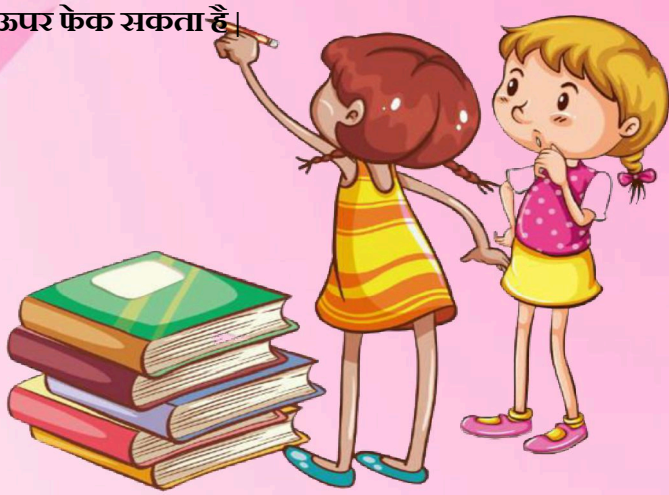

मकर सक्रांति

आज के दिन से सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण में आ जाते हैं। उत्तरायण में सूर्य के रहने के समय को शुभ समय माना जाता है और मांगलिक कार्य आसानी से किए जाते हैं। चूंकि पृथ्वी दो गोलार्धों में बंटी हुई है ऐसे में जब सूर्य का झुकाव दक्षिणी गोलार्ध की ओर होता है तो इस स्थिति को दक्षिणायन कहते हैं और सूर्य जब उत्तरी गोलार्ध की ओर झुका होता है तो सूर्य की इस स्थिति को उत्तरायण कहते हैं। इसके साथ ही 12 राशियां होती हैं जिनमें सूर्य पूरे साल एक-एक माह के लिए रहते हैं। सूर्य जब मकर राशि में प्रवेश करते हैं तो इसे मकर संक्रांति कहते हैं।संक्रांति ही वो दिन होता है जब सूर्य धनु राशि छोड़कर मकर राशि में प्रवेश करता है| मकर संक्रांति के पर्व को देश में माघी, पोंगल, उत्तरायण, खिचड़ी और बड़ी संक्रांति आदि नामों से जाना जाता है। इस दिन तिल और गुड़ से बनाए गए मिष्ठानो का विशेष महत्व होता है , कई प्रदेशो में पतंगबाजी का आयोजन भी किया जाता है| मकर संक्रांति के दिन गुजरात में बड़े रूप में पतंगबाजी का आयोजन होता है और इसी के साथ बसंत ऋतु का भी आगमन होता है । भारत में सांस्कृतिक विविधताओं के लिहाज से भी मकर संक्रांति का अपना महत्व है। देश के ज्यादातर हिस्सों में यह त्योहार मनाया जाता है। हालांकि, नाम और प्रचलित परंपराएं अलग-अलग हैं। जैसे, देश के दक्षिणी राज्यों केरल, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में इसे सिर्फ संक्रांति ही कहा जाता है। तमिलनाडु की बात करें तो वहां ये त्योहार चार दिन चलता है और वहां इसे पोंगल कहा जाता है। पंजाब और हरियाणा में इसे लोहड़ी कहा जाता है। असम में बिहू वही है जो हमारे यहां यानी उत्तर भारत में मकर संक्रांति है। तिल के सेवन से शरीर गर्म रहता है और इसके तेल से शरीर को भरपूर नमी भी मिलती है। दरअसल सर्दियों में शरीर का तापमान गिर जाता है। ऐसे में हमें बाहरी तापमान से अंदरुनी तापमान को बैलेंस करना होता है। तिल और गुड़ गर्म होते हैं, ये खाने से शरीर गर्म रहता है। इसलिए इस त्योहार में ये चीजें खाई और बनाई जाती हैं। तिल में कॉपर, मैग्नीशियम, ट्राइयोफान, आयरन, मैग्नीज, कैल्शियम, फास्फोरस, जिंक, विटामिन बी 1 और रेशे प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। एक चौथाई कप या ३६ ग्राम तिल के बीज से २०६ कैलोरी ऊर्जा प्राप्त होती है। तिल में एंटीऑक्सीडेंट गुण भी पाए जाते हैं। शरीर में उपस्थित जीवाणुओं और कीटाणुओं का दमन करता है।इस मौसम में सुबह का सूर्य प्रकाश शरीर के लिए स्वास्थ्यवर्धक होता है तथा ये त्वचा व हड्डियों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसीलिए इस दिन पतंग उड़ाई जाती है जिससे कि सूर्य किरणों का लाभ शरीर को मिले

अंशिका पाण्डे
कक्षा 7

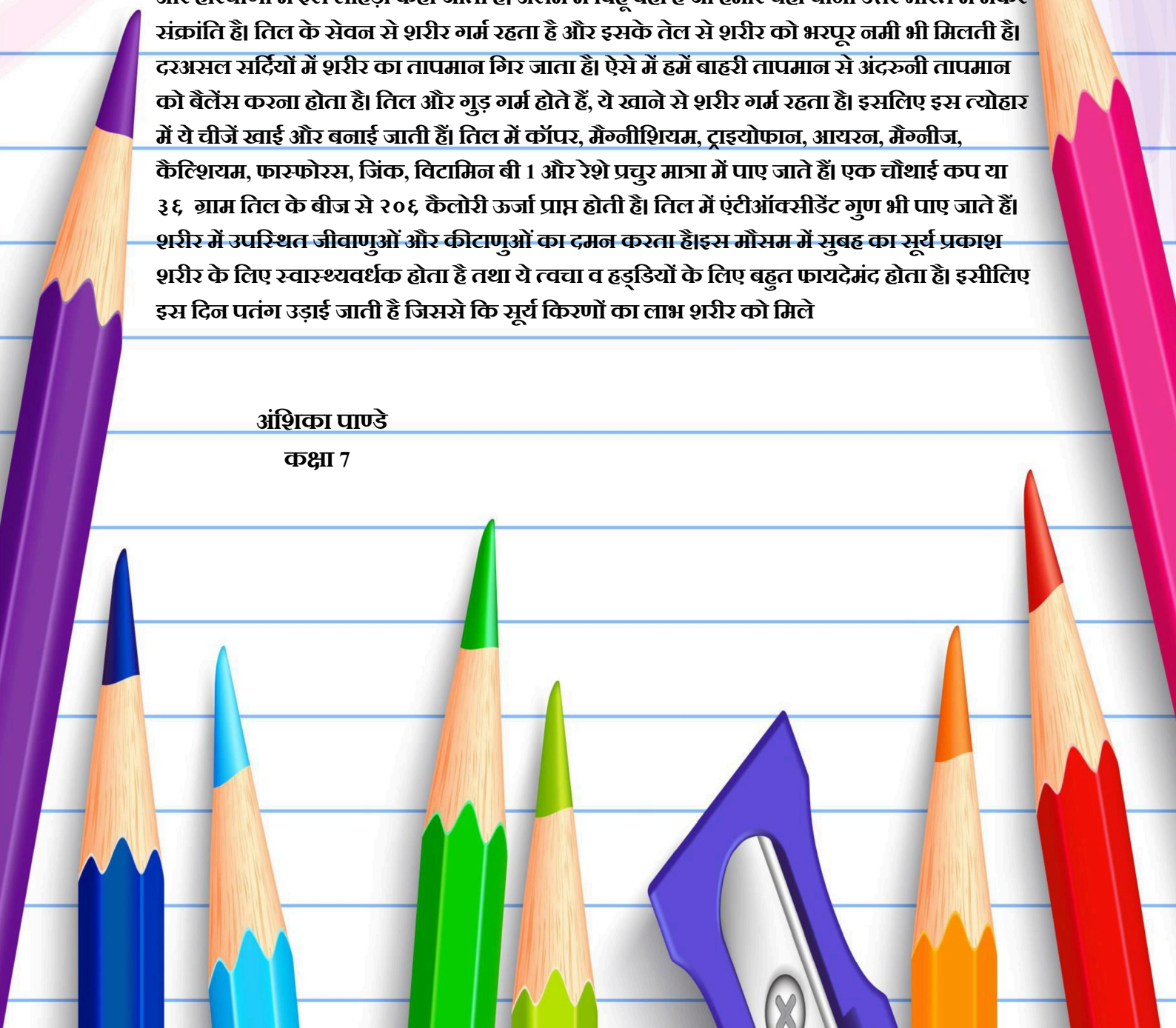

विवेकानन्द -एक परिचय

हर वर्ष स्वामी विवेकानंद के जन्मदिवस को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है इस सन्दर्भ में भारत सरकार का विचार था कि स्वामी जी का दर्शन एवं स्वामी जी के जीवन तथा कार्य के पश्चात निहित उनका आदर्श यही भारतीय युवकों के लिए प्रेरणा का बहुत बड़ा स्रोत हो सकता है।इस दिन देश भर के विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में तरह-तरह के कार्यक्रम होते हैं; रैलियाँ निकाली जाती हैं; योगासन की स्पर्धा आयोजित की जाती है; पूजा-पाठ होता है; व्याख्यान होते हैं; विवेकानन्द साहित्य की प्रदर्शनी लगती है| विवेकानंद जी का संपूर्ण जीवन देश हित को समर्पित था| उन्होंने न सिर्फ समूचे भारतवर्ष अपितु पूरे विश्व में अपने देश की संस्कृति का लोहा मनवाया । विवेकानंद जी का वास्तविक नाम नरेन्द्र नाथ दत्त था। उनका जन्म कलकत्ता के एक कुलीन बंगाली परिवार में १२ जनवरी १८६३ को हुआ| बचपन से ही उनकी रूचि भारतीय संस्कृति और अध्यात्म की ओर थी | वे अपने गुरु रामकृष्ण देव से काफी प्रभावित थे, जिनसे उन्होंने सीखा कि सारे जीव स्वयं परमात्मा का ही एक अवतार हैं; इसलिए मानव जाति की सेवा द्वारा परमात्मा की भी सेवा की जा सकती है। रामकृष्ण की मृत्यु के बाद विवेकानंद ने बड़े पैमाने पर भारतीय उपमहाद्वीप का दौरा किया और ब्रिटिश भारत में मौजूदा स्थितियों का पहले ज्ञान हासिल किया। बाद में विश्व धर्म संसद १८९३ में भारत का प्रतिनिधित्व करने संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए कूच किया। विवेकानंद ने संयुक्त राज्य अमेरिका, इंग्लैंड और यूरोप में हिंदू दर्शन के सिद्धांतों का प्रसार किया , सैकड़ों सार्वजनिक और निजी व्याख्यानों का आयोजन किया। भारत में विवेकानंद को एक देशभक्त संत के रूप में माना जाता है और इनके जन्मदिन को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। भगवान के दर्शन की चाह ने उनका ध्यान आध्यात्म की और खिंचा और आत्मज्ञान और संस्कृति के बारे में पुरे विश्व को बताने की ललक उन्हें इतने बड़े स्तर तक ले गई जहा उन्होंने अमेरिका स्थित शिकागो में सन् १८९३ में आयोजित विश्व धर्म महासभा में भारत की ओर से सनातन धर्म का प्रतिनिधित्व किया था। उन्हें प्रमुख रूप से उनके भाषण की शुरुआत “मेरे अमरीकी भाइयो एवं बहनों” के साथ करने के लिये जाना जाता है। उनके संबोधन के इस प्रथम वाक्य ने सबका दिल जीत लिया था।

अकुम्तैन जमीर
कक्षा 8

प्रार्थना

ऐ मेरे मालिक मेरे ईश्वर
मैं रहूँ निर्भय अति निडर
मुझको बुद्धि निर्मल दे
मन जैसे खिला कमल
डिगू नहीं बाधाओं से
डरू नहीं उग्र हवाओं से
तूफानों से न घबराऊँ
विपदाओं से पार पाऊं
रहूँ सदा मैं तेरा भक्त
डरू नहीं बना रहूँ सख्त
तेरे ही गुण गाऊं हरदम
जीवन में अपनाऊं संयम
विनम्र रहूँ करूँ याचना
नित करूँ मैं प्रार्थना

भरत कृष्णा
कक्षा 6

वर्षा की बूंदे आई

पढ़ते पढ़ते आई बूंदों की आवाज
छम छम टप टप का साज
दिल और दिमाग घूमा
वर्षा की बूंदों में घूमा
पढने का तो किया दिखावा
मन भीगने की कल्पनाओं में भागा
काश यह छत न होती
तो हमारी ख़ुशी दुगनी होती

नंदिनी कुमारी
कक्षा 6

क्या लिखूं

समय का हेर फेर
बड़ी जोर से धड़कता है मेरा
हार्ट
जब पेपर होता है स्टार्ट
उस समय देखने वाली होती है
मेरी हालत
नहीं होती आसपास मिलने
वाली राहत
कभी इच्छा होती है कि सबसे
ज्यादा नंबर लाऊं
कभी डर लगता है कि फेल न
हो जाऊं
मन तो होता है कि किसी तरह
रुक जाए घड़ी की सुई
पर वो चलती ही रहती है ,
डराती रहती है मुझे मुई

शुभम कुमार
कक्षा 6

स्कूल की पत्रिका छप रही है
मिला मुझे समाचार
अध्यापक का संदेसा आया
रचनाएँ भेजो दो चार
कविता लिखूं , कहानी लिखूं
या लिखूं मैं कोई लेख
इसी सोच में बैठा मैं
सिर तकिए पर टेक
पूछा भैया विषय बताओ
या बताओ कोई प्रसंग
जिसे पढ़े मजे में सब
और न हो कोई तंग
इन्ही विचारों में खोए खोए
मन अब होने लगा फरार
तब टूटे फूटे शब्दों से
कविता मेरी हुई तैयार।

पूजा श्री
कक्षा 6

बारिश

बारिश आई छम छम छम

बाहर जाने का किया है मन

मित्रों को भी नीचे बुलाया

अपनी बहन को हमने जगाया

कीचड़ में खेल कर कपड़ों का हुआ बुरा हाल

मन किया ऐसे ही बीते पूरा साल

बारिश में देखा मोरों का नाच

भूल गए हम कौन सा था मास

बगीचे और फसलों को देख है मन खिलता

लोगों व किसानों को है सुख मिलता

बारिश आई छम छम छम

क्या आपका भी बाहर जाने का किया है मन

नीतू सिन्हा
कक्षा 6

बचपन

नन्हा प्यारा सा यह बचपन

जीवन का एक टुकड़ा बचपन

नटखट नादानी का बचपन

विद्या में जो डूबा तनमन

खेलकूद में गुजरा बचपन

याद दिलाता है प्रतिक्षण

रंग रंगीली दुनिया में

बीता है सुन्दर सा बचपन

यश कटारिया
कक्षा 6

पहेलियाँ

१ हरी हरी मछली के

हरे हरे अंडे .

जल्दी से नाम बताओ

नहीं तो पड़ेंगे डंडे – मटर

२ अनपढ़ से न करती बात

रखती सीने अपने ज्ञान

पायी जाती सभी जगह

साक्षर करते मेरा गुणगान - पुस्तक

३ लोहा खींचू ऐसी ताकत है

पर रबड़ मुझे हराता है

खोई सुई मैं पा लेता हूँ

मेरा खेल निराला है - चुम्बक

राएना अंसारी
कक्षा 6

माँ

माँ तू कितनी अच्छी है

मेरा सब कुछ करती है

भूख मुझे जब लगती है

खाना मुझे खिलाती है

जब मैं गन्दा होता हूँ

रोज मुझे नहलाती है

जब मैं रोने लगता हूँ

चुप तू मुझे कराती है

माँ मेरे मित्रों में

सबसे पहले तू ही आती है

पुनीत पंचाल
कक्षा 6

प्रेरक सूक्तियाँ

- किसी भी सुखान्त अभिनय में सबसे कठिन भूमिका है मूर्ख की और उस कलाकार को कदापि मूर्ख नहीं होना चाहिए।
- जब एक अभिनेता के पास धन होता है, तब वह पत्र न भेजकर तार ही भेजता है।
- जिसकी हम अभिलाषा करते हैं और जिसकी सिद्धि के लिए सम्पूर्ण अन्त:करण से प्रयत्न करते हैं, तो उसकी प्राप्ति हमें अवश्य होती है। कोई अभिलाषा यहां अपूर्ण नहीं रहती। -स्वेट मार्डन
- अभिलाषा सब दु:खों का मूल है।
- मनुष्य को चाहिए कि वह अभिमान न करे। एक-से-एक श्रेष्ठ मनुष्य इस संसार में हैं। इसलिए अपने को किसी कार्य में सर्वश्रेष्ठ न कहना चाहिए। विनम्र रहकर जो कुछ है उस पर डींग न हांके।
- आदत रस्सी की तरह है। पर रोज इसमें हम एक बट देते हैं और अन्त में इसे तोड़ नहीं सकते।
- बुरी आदतों से हमारी क्षुद्रता का अभ्यास मिलता है। -डॉ० एडलर
- आदतों को यदि रोका न जायेतो वे शीघ्र ही लत बन जाती हैं। सत अगस्तिन
- लोमड़ी अपनी खाल बदलती है, आदतें नहीं।
- जो कुछ मानवीय है, वह सभी अमर है।
- अमरत्व की भावना ही मनुष्य के जीवन को सौन्दर्य तथा माधुर्य से पूर्ण बनाती है। यह भौतिक स्वर्ग या उस पार का बहिश्त, एक ही भावना हैं। चिरमुख की इच्छा ही उनमें पायी जाती है। -डॉ० रघुवीर
- श्रेष्ठ व्यक्ति कभी नहीं मर सकता। कैली माकस
- हमारी अमरत्व की मधुर आशा किसी धर्म से उद्भृत नहीं होती, अपितु सारे धर्म इसी से उद्भृत होते हैं।
- हमारा जीवन तो हमारे अमरत्व का शैशव मात्र है।

अंकिता कुमारी
कक्षा 8

प्रेरक प्रसंग

एक ट्रैन में पिता पुत्र सफर कर रहे थे। 24 वर्षीय पुत्र खिड़की से देख रहा था। अचानक वो चिल्लाया "देखो पापा, पेड़ पीछे की ओर भाग रहे हैं। पिता कुछ बोला नहीं बस सुनकर मुस्कुरा दिया। बगल में एक युवा दंपति को उस लड़के का व्यवहार बड़ा अजीब लगा और साथ ही उस लड़के के बचकाने व्यवहार पर उन्हें दया भी आई। लड़का फिर पिता से बोला, देखो पापा देखो, बादल हमारे साथ दौड़ रहे हैं। उस युवा दम्पति से यह देखा नहीं गया और वे उसके पिता से बोल पड़े, आप अपने लड़के को किसी अच्छे डॉक्टर को क्यों नहीं दिखाते।

पिता मुस्कुराया और बोला दिखाया था और हम अभी सीधे हॉस्पिटल से ही आ रहे हैं। लड़का जन्म से अंधा था और आज वह यह दुनिया पहली बार देख रहा है। आपको आश्चर्य लगा कि यह 24 साल का लड़का बच्चों जैसी हरकत क्यों कर रहा है। इसकी अभी तक आंख नहीं थी। आज यह आंख के ऑपरेशन के बाद देखने की स्थिति में आया तो इसे यह सबकुछ नया नया लग रहा है। यह सुन युवा दम्पति को शर्म आई और अपनी गलती महसूस करने लगे।

बी विद्या
कक्षा 8

प्रेरक प्रसंग

किसी नगर में एक राजा राज्य करता था। एक शोक जो प्राय राजाओ को होता है, और वो है शिकार खेलने का। एक दिन राजा ने अपने मंत्री से कहा क्यों न शिकार खेलने जंगल में जाया जाए। राजा और मंत्री दोनों शिकार खेलने जंगल में गए। उन्हने एक हिरन दिखाई दिया। राजा ने उस पर प्रहार करने के लिए तीर निकला पर उस पर प्रहार करते समय अपने ही शस्त्र से उसकी अपनी अंगुली कट गई। मंत्री ने यह देख कर कहा 'ईश्वर जो कुछ करता है अच्छा ही करता है।

मंत्री के मुख से यह सुनकर राजा को बहुत बुरा लगा| वह सोचने लगे मेरी तो उंगली कट गई और यह कहता है कि ईश्वर जो करता है वह अच्छा ही करता है। यह मेरा ही खाता है और मेरी ही हानि चाहता है। इस प्रकार विचार करके उसने अपने मंत्री को अपने यहां से निकल जाने को कहा। चलते समय मंत्री ने फिर कहा 'ईश्वर जो करता है अच्छा ही करता है।

कुछ दिन बाद राजा पुनः शिकार खेलने गया| एक हिरण का पीछा करते-करते एक जंगल में जा पहुंचा। हाथी घोड़े नौकर चाकर सब पीछे रह गए। जंगल में एक कबीला पूजन कर रहा था। उन्हें देवी के लिए नर बलि देनी थी। तभी अचानक उनकी दृष्टि राजा पर पड़ी। बलि के लिए उन्होंने राजा को पकड़ लिया। राजा को बलि के लिए खड़ा किया गया तो किसी की निगाह अचानक राजा की कटी हुई ऊँगली पर पडी। राजा का अंग भंग होने के कारण उन लोगों ने राजा को छोड़ दिया।

फिर भटकता हुआ राजा अपने राज्य में वापस पहुंच गया। उसने सोचा "इसी कटी हुई अंगुली ने आज मेरे प्राण बचाए हैं"। उसे मंत्री की बात का अर्थ समझ में आ गया और उस मंत्री को पुनः मंत्री पद पर रख लिया। राजा ने मंत्री से पूछा, मेरी ऊँगली कटी थी अब तो समझ में आ गया कि क्या अच्छा हुआ, क्योंकि कटी अंगुली के कारण मेरे कारण बच सकें। पर जब मैंने तुमको नौकरी से निकाला था तब भी तुमने यही कहा था कि ईश्वर जो करता है अच्छा ही करता है उसका क्या अर्थ है।

मंत्री ने उत्तर में कहा 'महाराज यदि आपने मुझे निकाल न दिया होता तो मैं भी उस दिन शिकार के समय आपके साथ होता और मेरे अंग भंग नहीं होने के कारण मैं पूरी तरह योग्य समझा जाता और उस कबीले के लोग अपनी कुलदेवी को प्रसन्न करने के लिए मेरी बलि अवश्य चढ़ा देते। राजा को समझ आ गया कि जो भी होता है अच्छे के लिए ही होता है।

केनिसा
कक्षा 7

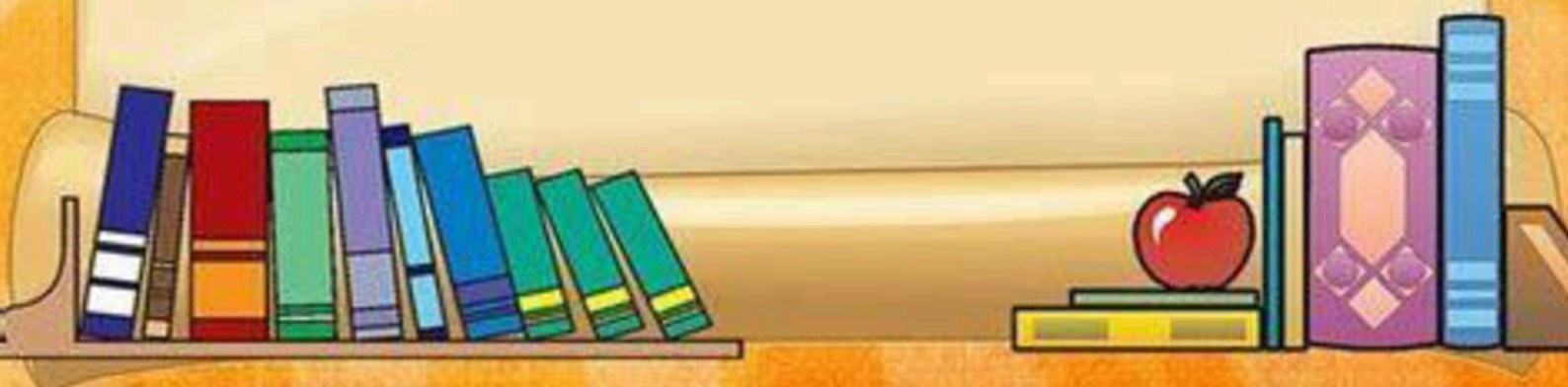

प्रेरक प्रसंग

यह घटना सन् 1492 की है, जब कोलम्बस अपनी महान यात्रा पर निकलने वाला था। चारों तरफ नाविकों में हर्षोल्लास का वातावरण था, परन्तु गांव का ही एक युवक फ्रोज बहुत ही डरा हुआ था और वह नहीं चाहता था कि कोलम्बस और उनके साथी इस खतरनाक और दुस्साहसी यात्रा पर मिशन पर जायें , इसलिए वह नाविकों के मन में समुद्री यात्रा के प्रति डर उत्पन्न कर देना चाहता था।

एक बार फ्रोज की मुलाकात पिजारो नाम के साहसी युवा नाविक से हुई। फ्रोज ने उससे मिलते ही सोचा कि यह एक अच्छा मौका है पिजारो को डराया जाए और उसने इसी नियत से पिजारो से पूछा "तुम्हारे पिता की मृत्यु कहां हुई थी ?"

दुखी स्वर में पिजारो ने कहा-समुद्री तूफान में डूबने के कारण और तुम्हारे दादाजी की ? वे भी समुद्र में डूबने से मरे। और तुम्हारे परदादाजी, वे कैसे मरे हैं? उनकी मौत भी समुद्र में डूबने से हुई थीं।

अफसोस जाहिर करते हुए पिजारो ने जवाब दिया। इस पर हंसकर ताना मारते हुए फ्रोज ने कहा-हद है। जब तुम्हारे सारे पूर्वज समुद्र में डूबकर मरे, तो तुम क्यों मरना चाहते हो ? मुझे तो तुम्हारी बुद्धि पर तरस आता है। कि इतना कुछ होने के बावजूद तुम नहीं सुधरे ?

पिजारो को फ्रोज की गलत मंशा को भांपते देर न लगी। उसने तुरन्त सम्भलते हुए फ्रोज से पूछा- अब तुम बताओ कि तुम्हारे पिताजी कहां मरे ? बहुत आराम से, अपने बिस्तर पर। मुस्कुराते हुए फ्रोज ने कहा। और तुम्हारे दादा जी ? वे भी अपने पलंग पर मरे। और तुम्हारे परदादा जी ? प्रायः उसी तरह अपनी खाट पर। गर्व से भरकर फ्रोज ने उत्तर दिया।

अब तंज कसते हुए पिजारो ने कहा अच्छा, जब तुम्हारे समस्त पूर्वज बिस्तर पर ही मरे, तो फिर तुम अपने बिस्तर पर जाने की मूर्खता क्यों करते हो? क्या तुम्हें डर नहीं लगता ? इतना सुनते ही फ्रोज का खिला हुआ चेहरा उतर गया। पिजारो ने उसे समझाया -मेरे मित्र, इस दुनिया में कायरों के लिए कोई स्थान नहीं है। साहस के साथ प्रतिकूल स्थितियों में जीना जिंदगी कहलाती है। फ्रोज अब तक अपनी गलती समझ चुका था, अतः वह अपना सा मुँह लेकर वापस लौट गया। किसी ने ठीक ही कहा है-लक्ष्मण रेखा के दास तटों तक ही जाकर फिर जाते हैं, वर्जित समुद्र में नाव के लिए स्वाधीन वीर हो जाते हैं।

किशन कुमार
कक्षा 7

संस्कृत विभाग

मम अनुभवाः

अस्माकम् जीवनं परिवर्तनशीलम् अस्ति। समयेन सह परिवर्तनं आवश्यकम् अस्ति। परन्तु कोरोनाकालः अस्माकम् जीवनशैल्यां पूर्णतः परिवर्तनं अकरोत्। कोरोनाकाले वयम् बहु ज्ञानम् यच्छाम। छात्र - छात्राणाम्, वृद्ध - वृद्धानाम्, व्यापारीणां, कर्मचारीणां पूर्णतः कार्यशैली जीवनशैली च परिवर्तिता जाता। छात्राः चलदूरभाषयन्त्रेण ऑनलाइन इति माध्यमेन पठन्ति। तथा सर्वे शिक्षका:अपि इयम् जीवनशैली स्वीकारं अकुर्वन्। अद्य, अधिकाधिकं कार्यम् चलदूरभाषयन्त्रस्य सहयोगेन ऑनलाइन भवति। एकः वर्षम् पूर्वम् एतेषाम् यन्त्राणाम् विषये वयम् न जानीमः स्म। परन्तु अद्य वयम् प्रयोगापि कुर्म:। कोरोनाकालः अस्मान् अनुशासनस्य ज्ञानम् ददाति। सः प्रकृत्याः महत्वम् अपि प्रकटयति।

रिशव कुमार
कक्षा 6

संस्कृतः भाषायाः महत्वं

संस्कृतः भाषा अस्माकं देशस्य प्राचीनतमा भाषा अस्ति। प्राचीनकाले सर्वे एव भारतीया :संस्कृतभाषायाम् एव व्यव्हारं कुर्वन्ति स्म। कालान्तरः विविधा : प्रांतीयाः भाषा प्रचलिता अभवन् ; किन्तु संस्कृतस्य महत्वं अद्यापि अक्षुण्णं वर्तते। सर्वे प्राचीनग्रन्था :चत्वारो वेदाश्च संस्कृतभाषायमेव सन्ति। संस्कृत भाषा भारत राष्ट्रस्य एकतायाः आधारः अस्ति। संस्कृतम् सम्पूर्ण देशे समानरुपेण आद्रियते। संस्कृतभाषायाः यत्स्वरूपम् अद्य प्राप्यते,तथैव सहस्त्रवर्षपूर्वं अपि आसीत्। संस्कृतभाषायाः स्वरूपं पूर्णरूपेण वैज्ञानिकम् अस्ति। अस्य व्याकरणं पूर्णतः तर्कसम्मतम् सुनिश्चितम् च अस्ति। संस्कृतः भाषा देवानाम् भाषा

सुभाषितानि

पुस्तकस्था तु या विद्या,परहस्तगतं च धनम्।
कार्यकाले समुत्तपन्ने न सा विद्या न तद् धनम्।।
अर्थ - किसी पुस्तक में रखी विद्या और दूसरे के हाथ में गया धन। ये दोनों जब जरूरत होती है तब हमारे किसी भी काम में नहीं आती।

अभिवादनशीलस्य नित्यं वृद्धोपसेविन:।
चत्वारि तस्य वर्धन्ते आयुर्विद्या यशोबलं।।
अर्थ - बड़ों का अभिवादन करने वाले मनुष्य की और नित्य वृद्धों की सेवा करने वाले मनुष्य की आयु,
विद्या, यश और बल ये हमेशा बढ़ती रहती है।

दुर्जन:परिहर्तव्यो विद्यालंकृतो सन।
मणिना भूषितो सर्प:किमसौ न भयंकर:।।
अर्थ- दुष्ट व्यक्ति यदि विद्या से सुशोभित भी तो अर्थात् वह विद्यावान भी हो तो भी उसका परित्याग कर
देगा। चाहिए जैसे मणि से सुशोभित सर्प क्या भयंकर नहीं होता?

येषां न विद्या न तपो न दान ज्ञानं न शीलं न गुणो न धर्म:।
ते मर्त्यलोके भुविभारभूता मनुष्यरूपेण मृगाश्चरन्ति।।
अर्थ - जिस मनुष्यों में विद्या का निवास है, न मेहनत का भाव, न दान की इच्छा और न ज्ञान का प्रभाव,
न गुणों की अभिव्यक्ति और न धर्म पर चलने का संकल्प, वे मनुष्य नहीं वे मनुष्य रूप में जानवर ही धरती पर विचरते हैं।

अधमाः धनमिच्छन्ति धनं मानं च मध्यमाः।
उत्तमाः मानमिच्छन्ति मानो हि महताम धनम् ॥
अर्थ-निम्न कोटि के लोग सिर्फ धन की इच्छा रखते हैं। मध्यम कोटि का व्यक्ति धन और सम्मान दोनों
की इच्छा रखता है। वहीं एक उच्च कोटि के व्यक्ति के लिए सिर्फ सम्मान ही मायने रखता है। सम्मान सबसे अधिक मूल्यवान है।

न चोरहार्य न राजहार्य न भ्रतृभाज्यं न च भारकारि।
व्यये कृते वर्धति एव नित्यं विद्याधनं सर्वधनप्रधानम्।।
अर्थ-न चोर चुरा सकता है, न राजा छीन सकता है, न इसका भाइयों के बीच बंट वारा होता है और न ही कोई भार है। इसलिए खर्च करने से बढ़ने वाला विद्या रुपी धन, सभी धनों से श्रेष्ठ है।

सत्य ब्रूयात प्रियं ब्रूयात न ब्रूयात सत्यं प्रियम।
प्रियं च नानृतं ब्रूयात एव धर्म: सनातन:।।
अर्थ - सत्य बोलो, प्रिय बोलो, अप्रिय लगने वाला सत्य नहीं बोलना चाहिए प्रिय लगने वाला असत्य भी
नहीं बोलना चाहिए।

रितिका कुमारी
कक्षा 7

उपायेन सर्व सिद्ध्यति।

एकस्य वृक्षस्य शाखासु अनेके काकाः वसन्ति स्म। तस्य वृक्षस्य कोटरे एक: सर्प: अपि अवसत्। काकानाम् अनुपस्थितौ सर्प: काकानां शिशून् खादति स्म। काकाः दु:खिताः आसन्। तेषु एकः वृद्ध: काकः उपायम् अचिन्तयत्। वृक्षस्य समीपे जलाशय: आसीत्। तत्र एका राजकुमारी स्नातुं जलाशयम् आगच्छति स्म। शिलायां स्थितं तस्याः आभरणम् आदाय एकः काकः वृक्षस्य उपरि अस्थापयत्। राजसेवकाः काकम् अनुसृत्य वृक्षस्य समीपम् अगच्छन्। तत्र ते तं सर्प च अमारयन्। अतः एवोक्तम् - उपायेन सर्व सिद्ध्यति।

के देवाश्री

कक्षा 7

परिश्रमेण एव कार्याणि सिध्यन्ति न तु मनोरथैः।

एकदा एकः काकः पिपासितः आसीत्। सः जलं पातुम् इतस्ततः अभ्रमत्। परं कुत्रापि जलंन प्राप्नोत्। अन्ते सः एकं घटम् अपश्यत्। घटे स्वल्पम् जलम् आसीत्। अतः सः जल पातुम् असमर्थः अभवत्। सः एकम् उपायम् अचिन्तयत् । सः पाषाणस्य खण्डानि घटे अक्षिपत्। एवं क्रमेण घटस्य जलम् उपरि आगच्छत्। काकः:जलं पीत्वा सन्तुष्ट: अभवत्। | परिश्रमेण एव कार्याणि सिध्यन्ति न तु मनोरथैः ।

मीनाक्षी

सद्व्यवहारः

एकस्मिन् वने शृगालः बकः च निवसतः स्म। तयोः मित्रता आसीत्। एकदा प्रातः शृगालः बकम् अवदत्- "मित्र! श्वः त्वं मया सह भोजनं कुरु।" शृगालस्य निमन्त्रणेन बकः प्रसन्नः अभवत्। अग्रिमे दिने सः भोजनाय शृगालस्य निवासम् अगच्छत्। कुटिलस्वभाव: शृगालः स्थाल्यां बकाय क्षीरोदनम् अयच्छत्। बकम् अवदत् च-"मित्र! अस्मिन् .

पात्रे आवाम् अधुना सहैव खादावः।" भोजनकाले बकस्य चञ्चु: स्थालीतः भोजनग्रहणे समर्था न अभवत्। अतः ,

बकः केवलं क्षीरोदनम् अपश्यत्। शृगालः तु सर्व क्षीरोदनम् अभक्षयत्। शृगालेन वञ्चितः बकः अचिन्तयत्-"यथा अनेन मया सह व्यवहारः कृतः तथा अहम् अपि तेन सह व्यवहरिष्यामि"। एवं चिन्तयित्वा सः शृगालम् अवदत्-

"मित्र! त्वम् अपि श्वः सायं मया सह भोजन करिष्यसि"| बकस्य निमन्त्रणेन शृगालः प्रसन्नः अभवत्। यदा शृगालः सायं बकस्य निवासं भोजनाय अगच्छत्, तदा बकः सङ्कीर्णमुखे कलशे क्षीरोदनम् अयच्छत्, शृगालं च

अवदत्-"मित्र! आवाम् अस्मिन् पात्रे सहैव भोजनं कुर्व:"" बकः कलशात् चंच्वा क्षीरोदनम् अखादत्। परन्तु शृगालस्य मुखं कलशे न प्राविशत्। अतः बकः सर्व क्षीरोदनम् अखादत्। शृगालः च केवलम् ईर्ष्यया अपश्यत्। |

शृगालः बकं प्रति यादृशं व्यवहारम् अकरोत् बकः अपि शृगालं प्रति तादृशं व्यवहारं कृत्वा प्रतीकारम् अकरोत्।

उक्तमपि-

. आत्मदुर्व्यवहारस्य फल भवति दुःखदम्।

तस्मात् सद्व्यवहर्तव्यं मानवेन सुखैषिणा।।

दिव्या स्वामी

नीति-श्लोकानि

विद्यां ददाति विनयं विनयाद् याति पात्रताम्।
पात्रत्वात् धनमाप्रोति धनात् धर्म ततः सुखम्।।
अर्थ - विद्या हमें विनम्रता प्रदान करती है। विनम्रता से योग्यता आती है व योग्यता से हमें धन प्राप्त होता
है और इस धन से हम धर्म के कार्य करते है और सुखी रहते है।

आलस्यं हि मनुष्याणां शरीरस्थो महान् रिपु:।
नास्त्युद्यमसमो बन्धुः कृत्वा यं नावसीदति।।
अर्थ- व्यक्ति का सबसे बड़ा दुश्मन आलस्य होता है, व्यक्ति का परिश्रम ही उसका सच्चा मित्र होता है। क्योंकि जब भी मनुष्य परिश्रम करता है तो वह दुखी नहीं होता है और हमेशा खुश ही रहता है।

उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः।
न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगा:।।
अर्थ - व्यक्ति के मेहनत करने से ही उसके काम पूरे होते हैं, सिर्फ इच्छा करने से उसके काम पूरे नहीं होते। जैसे सोये हुए शेर के मुंह में हिरण स्वयं नहीं आता, उसके लिए शेर को परिश्रम करना पड़ता है।

वाणी रसवती यस्य,यस्य श्रमवती क्रिया।
लक्ष्मी : दानवती यस्य,सफलं तस्य जीवितम्।।
अर्थ - जिस मनुष्य की वाणी मीठी हो, जिसका काम परिश्रम से भरा हो, जिसका धन दान करने में प्रयुक्त हो, उसका जीवन सफ़ल है।

प्रियवाक्य प्रदानेन सर्वे तुष्यन्ति जन्तवः।
तस्मात तदैव वक्तव्यम् वचने का दरिद्रता।।
अर्थ - प्रिय वाक्य बोलने से सभी जीव संतुष्ट हो जाते हैं, अतः प्रिय वचन ही बोलने चाहिए। ऐसे वचन बोलने में कंजूसी कैसी।

मूर्खस्य पद्म चिह्ानि गर्वो दुर्वचनं तथा।
क्रोधश्व दृढवादश्च परवाक्येष्वनादर:।।
अर्थ- एक मुर्ख के पांच लक्षण होते है घमण्ड, दुष्ट वार्तालाप, क्रोध, जिद्दी तर्क और अन्य लोगों के लिए सम्मान में कमी।

बी विद्या
कक्षा 8

पुष्पाणां नामानि

गुलाब	पाटलम्
कमल	कमलम्, सहस्त्रपत्रम्, उत्पलम्, शतपत्रम्
लाल कमल	कोकनदम्, पद्मम्
श्वेत कमल	कैरवम्
नीलकमल	नीलपद्म, इन्दीमवरम्, कृष्ण कमलम
खिला फूल	विकचम्, सफुटम्, प्रफुल्लम्, विकसितम्
चमेली, चमेली के फूल, बेला	जातीपुष्पम्, नवमल्लिका, मल्ली
रातरानी	रजनीगन्धा
केसर	नाग केसर
चन्दन	श्रीखण्डम्
गेंदा, गेंदे का फूल	सेवन्तिका
दालियापुष्प	डेहलिया, सूर्यमुखी कुल का फूल
मोगरा	मल्लिका
अमलतास	व्याधिघात
जूही	यूथिका
पलाश, ढाक	किंशुक, पलाश:
मालती	मालतीपुष्पम्
जुहि, कुमुदिनी, कुमुद	नलिनी, यूथिका
सन, पटसन	क्षौमी, नीलपुष्पिका
सूरजमुखी	सूर्य्यवितं, सुवन्चला
गुड़हल	चित्रपुष्पी, सन्धिजा
कुमुद	पद्मिनी
फूल	पुष्पम्, सुमनः, कुसुमम्
चम्पा	चम्पकम्

कुकुरमुत्ता, छत्रक, छत्ता	छत्त्रक, दिलीर, कन्दलीकुसुम
मुरझाया फूल	म्लानम्
माधवी पुष्प	भद्रवल्ली
कनेर	कर्णोरः
कुमुदनी	कुमुदम्
गुढ़ल	जपपुशम
नाग चम्पा	नागापुश्पा
गुलबहार	मातृ, भृङ्गराज
गुल मेहँदी	व्रणरोपिन्
कुन्द	कुन्दकुन्द्म्
जवापुष्प	जपापुष्पाम्
नरगिस	डॅफ़ोडिल्
गुलदाउदी	हेमपुष्पति
नर्गिस	नरगिस पुष्पं
हरसिंगार	शेफालिका
पारिजात	मन्दारक,
जाम्भजम्	नारङ्गी
केतकी	कैतकम्
नेवारी	नवमालिका
दुपहरिया	बन्धूक:
मौलसरी	बकुल:
ट्यूलिप, कन्द पुष्प	कन्द पुष्पम्
धतूरा	धतूर

संस्कृत-सूक्तयः

1. अप्रियस्य च पथ्यस्य वक्ता श्रोता च दुर्लभः (वाल्मीकि रामायण 6.16.21)

अर्थ– अप्रिय किंतु परिणाम में हितकर हो ऐसी बात कहने और सुनने वाले दुर्लभ होते हैं।

2. 'अतिथि देवो भव' (तैत्तिरीयोपनिषद् 1/11/12)

अर्थ– अतिथि देव स्वरूप होता है।

3. 'अर्थो हि कन्या परकीय एव।' (अभि.शाकुन्तलम्)

अर्थ– कन्या वस्तुतः पराई वस्तु है।

4. 'अहिंसा परमो धर्मः।' (महाभारत-अनुशासनपर्व)

अर्थ– अहिंसा परम धर्म है।

5. 'अहो दुरंता बलवद्विरोधिता।' (किरातार्जुनीयम् 1/23)

अर्थ– बलवान् के साथ किया गया वैर-विरोध होना अनिष्ट अंत है।

6. 'आचार परमो धर्मः।' (मनुस्मृति 01/108)

अर्थ– आचार ही परम धर्म है।

7. असतो मा सद्गमय तमसो मा ज्योतिर्गमय। (बृहदारण्यक-1.3.28)

अर्थ– मुझे असत् से सत् की ओर ले जायें, अंधकार से प्रकार की ओर ले जायें।

8. "ईशावास्यमिदं सर्वं" (ईशावास्योपनिषद्-मंत्र 1)

अर्थ– संपूर्ण जगत् के कण-कण में ईश्वर व्याप्त है।

9. उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत (कठोपनिषद्)

अर्थ– हे मनुष्य! उठो, जागो और श्रेष्ठ महापुरुषों को पाकर उनके द्वारा परब्रह्म परमेश्वर को जान लो।

10. किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम् (अभिज्ञान शाकुन्तलम् 1/20)

अर्थ– सुन्दर आकृतियों के लिए क्या वस्तु अलंकार नहीं होती है।

11. क्षणे क्षणे यन्नवतामुपैति तदेव रूपं रमणीयतायाः। (शिशुपालवधम् 4/17)

अर्थ– जो प्रत्येक क्षण नवीनता को धारण करता है वही रमणीयता का स्वरूप है।

अंकिता कुमारी
कक्षा 8

रामायणम्

रामायणम् इतिहासः, न तु पुराणम्' इति हि भारतीया श्रद्धा। या घटना प्रवृत्ता तां विवृणोति इतिहासः। किन्तु पुराणं तथा न। भक्तिश्रद्धादीनाम् उत्पादनाय कथा कल्पते तत्र। पुराणेषु अपि क्वचित् ऐतिहासिकाः अंशाः समाविष्टाः भवन्ति इति तु अन्यद् एतत्। इतिहासग्रन्थे तु यत् वर्णयते तत् समग्र वास्तविकं भवति। वर्णनादिषु कविकल्पना स्यात् चेदपि वृत्तं तु वास्तविकमेव। रामायणमहाभारतयोः ऐतिहासिकताविषये पारम्परिकाणां न सन्देहः कदापि। किन्तु आधुनिकाः इतिहासपुराणयोः भेदस्य अवगमने (ज्ञातुम्) असमर्थाः सन्ति। येन कथा वर्णयते विस्तरेण, सः सर्वोऽपि ग्रन्थराशिः पुराणतुल्यः एव इति तेषां मतम् अस्ति। अतः ते रामायणस्य ऐतिहासिकताविषये प्रमाणम् अपेक्षन्ते। तद्विषये मान्येन पुष्कर भटनागर वर्येण कश्चन सफलः प्रयासः कृतः अस्ति। आधुनिकं तन्त्रांशम् (Software) उपयुज्य सः रामायणे वर्णिताः खगोलीयघटनाः वास्तविकाः एव इति सप्रमाणं निरूपितवान् अस्ति।

पूजा श्री बी. कक्षा 6

शिक्षिता-नारी

वैदिक युगे स्त्री शिक्षायाः महत्वं सर्वे जानन्ति स्म। वेदेषु यथा पुरुषा: मंत्रद्दष्टार: आसन् तथैव काश्चन् नार्य: अपि ब्रह्मवादिन्य: मैत्रेयी गार्गी समा: स्त्रिय: भारते अभवन्। मण्डन-मिश्रस्य पत्नी स्वयं परम विदुषी आसीत्। कालिदासस्य पत्नी विद्युतमा अति विदुषी आसीत्। अतएव वैदिक परंपरां अनुरूध्य स्त्री शिक्षा पुरुष शिक्षा इव अनिवार्या आसीत्। मनुस्मृतौ वर्णितं यत् यत्र नार्यस्तु पूज्यंते रमंते तत्र देवता:। नारी पूजाया: किम् तात्पर्य अस्ति? नारी शिक्षा एव नारी पूजा। शिक्षिता नारी शिक्षिता माता भगिनी, शिक्षिता, च शिक्षिता पत्नी भूत्वा सपरिवारस्य महते कल्याणाय कल्पते। शिक्षितया नार्या समाज: स्वस्थ: पुष्ट: विकासोन्मुखश्च जायते। समाजे जीवनस्य सर्वेषु क्षेत्रेषु शिक्षितनारीणा महत्त्वं स्थानम् च अधुना सर्वत्र स्वीक्रियते।

नीतू सिन्हा कक्षा 6

हास्य कणिका

कवेः पत्नी निद्राधीना आसीत्।

तस्याः पादस्य समीपं एकः सर्पः उपविशन् आसीत् ।

कविः - दशतु दशतु । शीघ्रं दशतु।

सर्पः - गच्छ, मूर्ख ! चरणवन्दनां कुर्वन् अस्मि।
एषा अस्माकं कुलदेवी अस्ति !!!

अध्यापिका व्याकरणं पाठयति। कर्ता कः, कर्म किम्, क्रिया का इति बोधयति। तत्परं सा कृष्णफलके इदं वाक्यं लिखति - 'मण्टुः लड्डुकं खादितुं न इच्छति।'
अध्यापिका - सुरेश, त्वं वद। अस्मिन् वाक्ये मण्टुः कः।
सुरेशः - मण्टुः मूर्खः।
अध्यापिका - कथम्।
सुरेशः - आर्ये, कः लड्डुकं खादितुं न इच्छेत्।

एस. केनिसा
कक्षा 7

ENGLISH SECTION

I AND MY FRIENDS

Friends are like flowers who blossom and are lovable to me,
Friends are like beautiful birds who always make me happy,
Friends are like sparkling stars who always twinkle in my heart.
Friends are like sweet butterflies who always fly in my class.
They are like glowing bulbs who always sparkle my mind with good thoughts.

Name:- Sanjeev Singh Salaria
Class:- XII-B

CORONA VIRUS

Corona virus disease (Covid-19) is an infectious disease caused by a newly discovered corona virus. Most people infected with the covid-19 virus experiences mild to moderate respiratory problems. Older people and those with underlying medical problems like cardiovascular disease, diabetes, chronic respiratory disease, and cancer are more likely to develop serious illnesses.

The best way to prevent and slow down transmission is to be well informed about the covid-19 virus, the disease it causes and how it spreads. Protect yourself and others from infection by washing your hands or using an alcohol-based hand sanitizer, rub frequently and avoid touching your face.

The covid-19 virus spreads primarily through droplets of saliva or discharge from the nose when an infected person coughs or sneezes. So it is important that you also practice respiratory etiquette.

By: Anoj Kumar
Class: XII-B

BENEFITS OF SPORTS

Badminton, cricket, football, volley ball, etc, all comes under the categories of sports. We play sports to keep us active and healthy. Some people play sports to refresh themselves when they feel bored and some play it because it is their profession or passion. They are recognized because of their passion in sports which they also took as profession, like Lionel Messi, a footballer or Sachin Tendulkar, a cricketer and so on. The Olympic 2020 was held recently at Tokyo where Indian players bagged medals for several categories and made our country proud. We play games not only in schools but also at home with our siblings and friends. We are all in a modern world and without sports it is not interesting at all. It is not that you have to play the whole day. There should be a limit in every work you do. We all can live our life once. So we must have fun, play sports and live life to the fullest.

Name: Priya Kumari
Class: XII-B

NIGHTFALL

When on nightfall the darkness came crawling
Ruthlessly devouring everything around
Not a single sound nor any shape I found
For empty seemed the ground
I screamed but soundless it was
I closed my eyes with a petrified heart
And looked for the fire that's burning inside
I let that fire flare up my eyes
To banish the darkness at the first sight
And lit up the world again so bright.

By: Mrs Shyamali Bokalial
PGT English

A Creed to Live By

Don't undermine your worth by comparing
yourself with others,
It is because we are different that each
of us is special.
Don't set your goals by what other people
deem important,
Only you know what is best for you.
Don't take for granted the things closest
to your heart
Cling to that as you would your life, for without
them life is meaningless.
Don't let your life slip through your fingers by living
in the past or the future.
By living your life one day at a time, you live all the
Days of your life.
Don't give up when you still have something to give
Nothing is really over until the moment
You stop trying.
Don't be afraid to admit that you are less
Than perfect,
It is the fragile thread that binds us to each other.
Don't be afraid to encounter risks,
It is by taking chances that we learn how to be brave.
Don't shut love out of your life by saying it's
Impossible to find.
The quickest way to receive love is to give love.
The fastest way to lose love is to hold on too tightly,
And the best way to keep love is to give it wings.
Don't dismiss your Dreams. To be without
dreams is to be without hope.
To be without hope is to be without purpose.
Don't run through life so fast that you forget
Where you've been,
But also know where you're going.
Life is not a race, but a journey to be savored
Every step of the way.

Name: Chandni Kumari
Class: XII-A

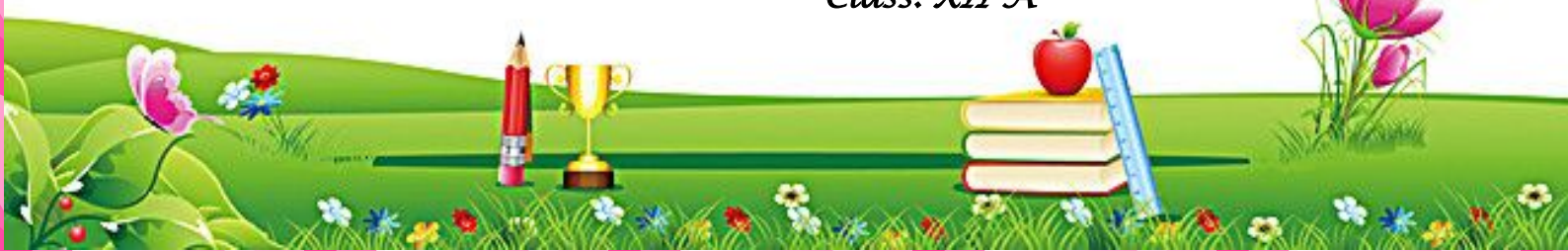

SCHOOL DAYS

I miss my school days,
The years of laughter, friendship, jealous
Where the teacher taught us.
The respect, the knowledge of life
I miss my school days, where we all friends played together,
We played games of true friendship,
And promised to be friends for forever,
We played games of love, which we never forget,
I miss my school days, where we made every Fun memorable.
Where we laughed at each other jokes,
We cried at each other sorrow
I miss my school days, where we took participation
In every sport, on every occasion,
Where we cheered up each other
Where there was no place for hate, in losing.
I miss my school days, where I saw many relations
Build up, and many relation breaks,
But in the end, we all were together, erasing all the jealous.
I miss my school days, where teacher scold on each of our mistakes,
And encouraged and motivated us on every occasion,
Where she taught us like a teacher, loved us like our mother,
Who taught us the respect, and encouraged to move in life.
I miss my school days. Where we carried our heavy bags on our back,
Around the streets, and shared jokes, pain, sorrow,
Ran at the roads, with our heavy bags,
Cherishing our memories with every step.
Which we never forget, in our lifetime.
And I really miss those days.

Name: Neha Chhetri
Class: XII-A

SEVEN TRUTHS ABOUT LIFE THAT MOST OF US FORGET

1. Never offend others, some people can't speak out or stand up for themselves.
2. Don't complain about the taste of food, some people have nothing to eat.
3. Don't complain about your partner, someone buried theirs yesterday.
4. Don't complain about your home, some people don't have a roof over their head.
5. Don't complain about your kids, some people never become parents.
6. Don't complain about your job, some people can't find work at all.
7. Don't curse your life, some people are young and terminally ill.

Life is a gift; don't waste it on empty complaints. If you don't like something just remember, "you're alive" that means you can reduce anything.

R.Monisha
Class: XII-B

KARGIL VIJAY DIWAS

Kargil Vijay Diwas is one of the most important day for us. It is celebrated on 26th July every year. It is celebrated to pay tribute to our real heroes- the army soldiers who sacrificed their lives for our Motherland. Kargil War was fought between India and Pakistan in1999. It lasted for about 60 days. On 26th of July India at last defeated Pakistan. In this war our 500 soldiers sacrificed their lives for beloved motherland. Kargil War is also known as Operation Vijay War. On this day every Indian pays tribute to all the army soldiers who died in this war. Our Prime Minister pays homage to the army soldiers at the Amar Jawan Jyoti at Delhi. The Kargil Vijay Diwas is celebrated all over the country. Social and cultural programs are arranged in schools and colleges. Children know about the Indian wars and their heroes by celebrating such types of special days.

By: C.Santosh
Class: VIII

MY FATHER

Who never thinks about himself
Who never desired anything for his own
Who never dreams of his own well being
Who never fought for himself
That is my father!

A man who is superhero without super powers
A man who is the richest person with empty pockets
A man who hides sorrows and gives happiness to children
A man who is the strong pillar of the family
A man who always thought for his children's happiness
That is my father!

A man who spent all his days outside the house
A man who sacrificed his own dreams
A man who tried his best everyday
A man who inspired, motivate and taught good manners
A man who is generous, kind hearted person
That is my father!

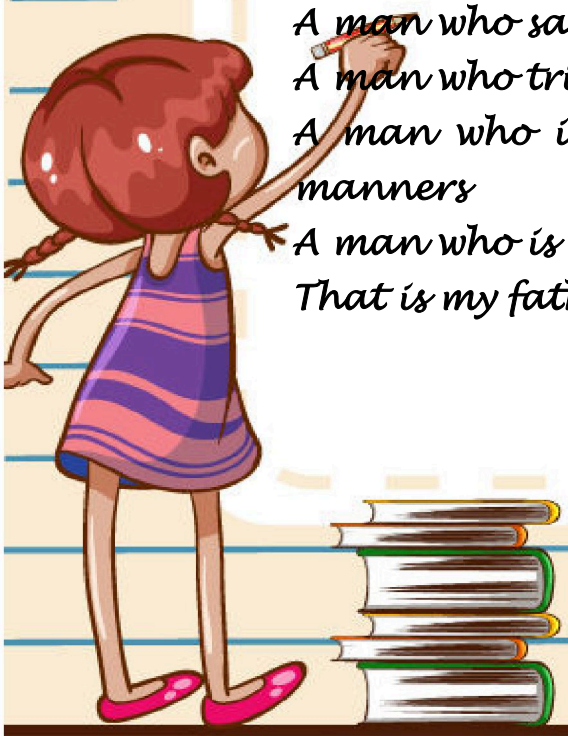

Name: Heena Parveen
Class: XII-A

DOWRY: A SOCIAL EVIL

Dowry system has been rooted in the Indian societies since a very long time. Our ancestors started this system for valid reasons but now it is leading to issues and problems in society. In this essay on dowry, we will see what dowry exactly is, how it started, and why it should be stopped now.

The idea behind the dowry system was, to make sure the bride will be financially stable after getting married. The intentions were very clear. Brides parents used to give money, land, assets to the bride as a "Gift" to make sure their daughter will be happy and independent after marriage.

But when British rule came into the picture, they restricted women to own any property. Women were not allowed to buy any property, land or assets. Hence, men started owning all the "Gifts" given to the bride by her parents.

This rule changed pure dowry system into a mess! Now parents of the bride were looking at their bride as a source of income. Parents started hating their daughters and wanted only sons. They started demanding money as a dowry. Women were suppressed since they did not have equal rights as men. And since then, groom's parents follow this rule to their advantage. Dowry is becoming a nightmare for Women. The cases of infanticide are increasing. Poor parents do not have any other option. They cannot afford to have a girl child, and hence they are intentionally killing infant girl. More than 8000 women are killed because of Dowry!

Dowry is complete injustice with women and does not give women equal status in society. Because of dowry men will always be superior to women. This is creating a mess and negative environment in society.

Under the Dowry Prohibition Act, taking or giving dowry is a crime and illegal. If you see someone taking or giving dowry then you can lodge a complaint against them.

I would like to conclude by saying that-
Dowry system is good unless and until it is considered as a gift given to the bride by her parents. If the groom's parents are demanding money to get married as a "Dowry" then that is completely wrong and illegal.

Name: B. Kumuda
Class: XII-A

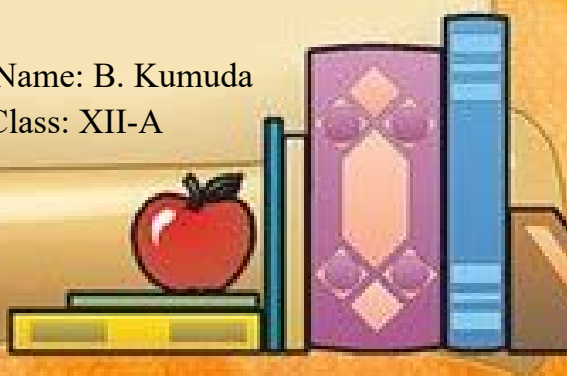

IMPACT OF COVID 19 ON EDUCATION

As we know that due to covid-19 pandemic the state governments across the country temporarily started shutting down schools and colleges. As per the present situation, there is an uncertainty when schools and colleges will reopen. No doubt, this is the crucial time for education sector because entrance tests of several universities and competitive examinations are held during this period. Along with them, how can we forget about board examinations, nursery school admissions, etc.

All major entrance examinations are postponed including engineering, medical, law, agriculture, fashion and designing courses, etc. This situation can be a ringing alarming bell mainly in private sector universities. Maybe some faculties and employees may face salary cuts, bonuses and increments can also be postponed. The students are facing major problems like poor connectivity, lack of technological facilities and major health issues. I as a student also faced such problems and helplessly witness the dooming of education system specially for underprivileged students particularly in the rural areas.

Also, the new rules by the boards for the higher secondary classes have been a major change in the education system in India. Taking two terms of board examinations also creates a pressure and a sense of fear in the minds of the students. For the lower classes, the children are spending more screen time and are giving less time to their physical fitness or refreshment. The children due to the online modes of education are also facing eye problems and headaches at a very young age.

This new E- system of learning has affected us in many bad ways but we can neither deny the good effects of this in our education system like: Now the teachers are able to keep one on one interaction with the students and can evaluate each student separately and also the students are free to ask their doubts without any hesitation to the teacher online or over a call.

Lastly, I would like to finish by hoping for a good future and the end of this pandemic as it is a doom for the education and economy globally.

Name: William Jasper
Class: XII-A

ENGLISH JOKES

- **Where do cauliflowers hang out?**
  : Gobi desert
- **Which is the most shocking city in the world?**
  : Electricity
- **What is the difference between a cat and a comma?**
  : A cat has claws at the end of paws. A comma is a pause at the end of a clause.

- **Why don't some couples go to the gym?**
  : Because some relationship doesn't work out.

Divya Swami
Class: VIII

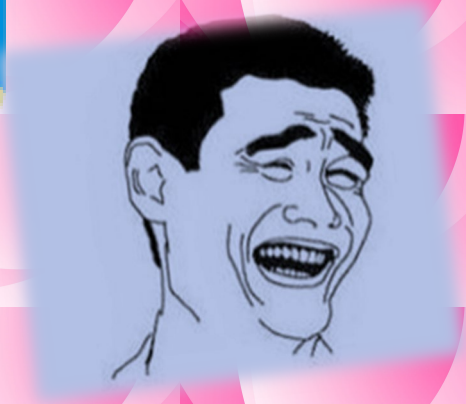

JOKE

Pappu: Listen, friend, the doctor has asked me to go to Switzerland or Paris for a month's rest.
Where shall we go?
Raju: To another doctor.
(Two men were sleeping on the terrace when suddenly it started raining...)
The first man said: - Let's go inside. There is a hole in the sky.
(Then the lightning struck...)
The second man said: - Come on and go to sleep.
Looks like the welding man has also arrived.

Captain Saurabh Kalia.... The Forgotten hero....

Capt. Saurabh Kalia was only 22 years old when he was captured by the Pakistani Army in May 1999 that marked the start of the Kargil War. After almost as many years as he lived, Capt. Kalia is yet to receive justice and his helpless father continues to fight a lonely battle with little or no support.

Capt. Kalia along with five jawans were one of the first ones to take on the Pakistani Army intruders. The six soldiers were captured alive once they ran out of ammunition after a prolonged gun battle that ran into several hours along the Line of Control (LoC) in Kargil's Kaksar area.

After 22 days in captivity, the bodies of the young army officer and five sepoys – Arjun Ram, Bhanwar Lal Bagaria, Bhika Ram, Moola Ram and Naresh Singh – were returned to the Indian side and that started the ordeal of their families. Saurabh Kalia's parents, Narender Kalia and Vijaya Kalia, have fought a relentless battle for 20 years with no sign of hope yet.

The Kalia family received the body of their young son who was about to celebrate his 23rd birthday on June 29, 1999, in a mutilated state, stories of which are still etched in the minds of millions of Indians who were left shocked at the level of torture these men had to endure for 22 days.

The bodies were returned with signs of extreme brutality. Their eardrums were pierced with hot iron rods, lips and noses cut off, eyes gouged and genitals cut off among other things. The six men were finally shot at the end of their captivity.

The Kalia family has since been demanding that Pakistan should be brought to book and those responsible for the act be punished under international laws as the violence meted out to the six soldiers stood against the protocols of the Geneva Convention.

Narender Kalia, who is over 70 years old, continues to make efforts and pursue the central government to move the International Court of Justice (ICJ) to pull up Pakistan, even after 20 years. He says he will continue the fight till the last day of his life.

Twenty years later, as the country celebrates Kargil Vijay, the Kalia family looks at the cheque that their 22-year-old son had signed for the last time, as if signing an epitaph, before leaving for Kargil. He had asked his parents to encash the cheque from his bank account in his absence. They did not do so and thus it is the last piece of writing they have of Capt Saurabh Kalia, their son who would have turned 23 a few weeks later.

Name: Alwin Abey
Class: XII-B

Riddles: Give Math a Try.

1. You know 2+2 comes to the same as 2x2. Now find a set of three different whole numbers whose sum is equal to their total when multiplied.

2. Granny Adams left her half money to her granddaughter and half of that to her grandson. She left a sixth to her brother , and the remainder $1000 to dog's home. How much did she leave together ?

3. I have a calculator that can display ten digits. How many different ten-digit numbers can I type using the 0-9 keys once each, and moving from one key press to the next using the knight's move in chess?

4. What is the smallest number that increases by 12 when it is flipped and turned upside- down?

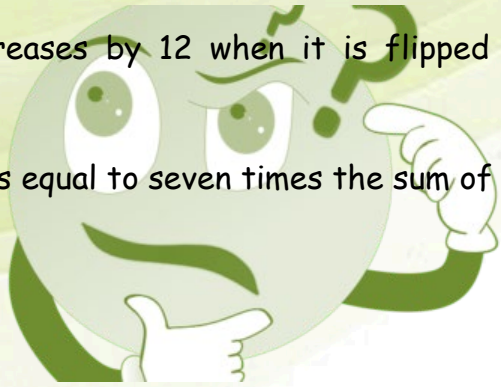

5. What is the smallest whole number that is equal to seven times the sum of its digits ?

ANSWERS

1. 1,2,3 .

2. She left $12,000 . One half plus one quarter plus one sixth equals eleven-twelfth. So, the remainder $1,000 is one- twelfth of the whole, which must have been $12,000.

3. 5034927618 and 5038167294 or their reverse. Key is to realize that the number must end or start with 5.

4. The answer is 86 . When it is turned upside-down and flipped, it becomes 98 , which is 12 more than 86 .

5. The answer is 21 . The two digits ab stand for 10a+b=7(a+b), we get a=2b . That is the second digit is twice the first . The smallest such number is 21.

NAME-Ankita Kumari
CLASS-VIII

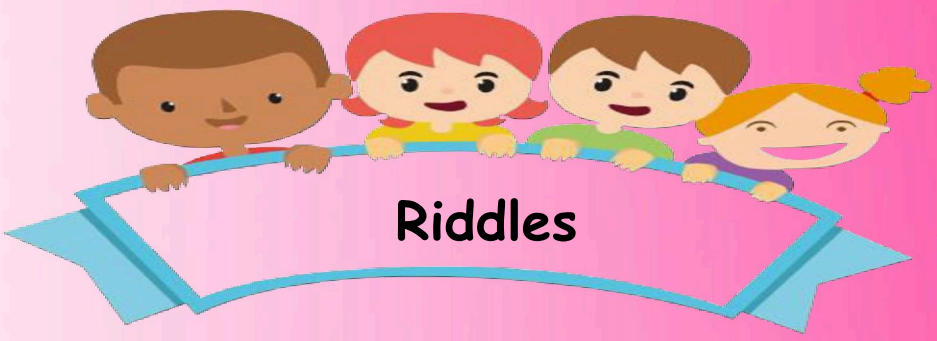

Riddles

I. I have a black car that runs on a white road. Who am I?

II. I will eat whatever you give me. I will die if I drink water. Who am I?

III. White pearls inside the green box. What is it?

IV. I will travel around the town. I will not enter the house. Who am I?

V. Without eyes, I could cry but I cannot see. Who am I?

VI. He would jump into the boiling well and swell up. Who is he?

VII. Thirty-two guards in a palace. What is it?

VIII. Who is he who takes food but does not eat?

IX. The door that opens and closes by itself. What is that?

X. The doctor came, gave an injection, and went without money. Who is he?

Answers

I. Eye

II. Fire

III. Lady's Finger

IV. Shoes and Chappals

V. Cloud

VI. Puri

VII. Teeth

VIII. Ladle

IX. Eyelid

X. Mosquito

THE HAPPIEST DAY OF YOUR LIFE

School days ought to be a happy time in a young person's life. Having lots of friends, caring parents, youthfulness and a carefree attitude. Then what could make one's life miserable during this time? In my opinion, there is one word which answers this question- 'bullying'.

Unfortunately, bullying is quite common in school which often goes unnoticed. It might affect students of any age, no matter boys or girls. A friend of mine had a very negative experience at school last year, as an elder boy continuously teased him and sometimes even used to post negative remarks on him on social media. As an obvious result, my friend was very upset and it affected his self-confidence that he did not want to come to school for some days.

What can people do to stop this problem? From a personal perspective, I would say that teachers need to be aware that bullying might exist in their class and should address such issues with effective measures. Teachers could also prepare lessons to talk about the problem with their students which might make the bullies realise how badly they hurt the victims. As for the students, if they find that one of their classmates is being bullied, they should provide support and care to him or her and even bring the matter to the notice of teachers.

Bullying can be a nightmare, but there are certain things which we can do to prevent it. With this we can hope that all students will be able to go to school and enjoy their school lives without the fear of being bullied.

Name: Bikash Kumar Shah
Class: XII-B

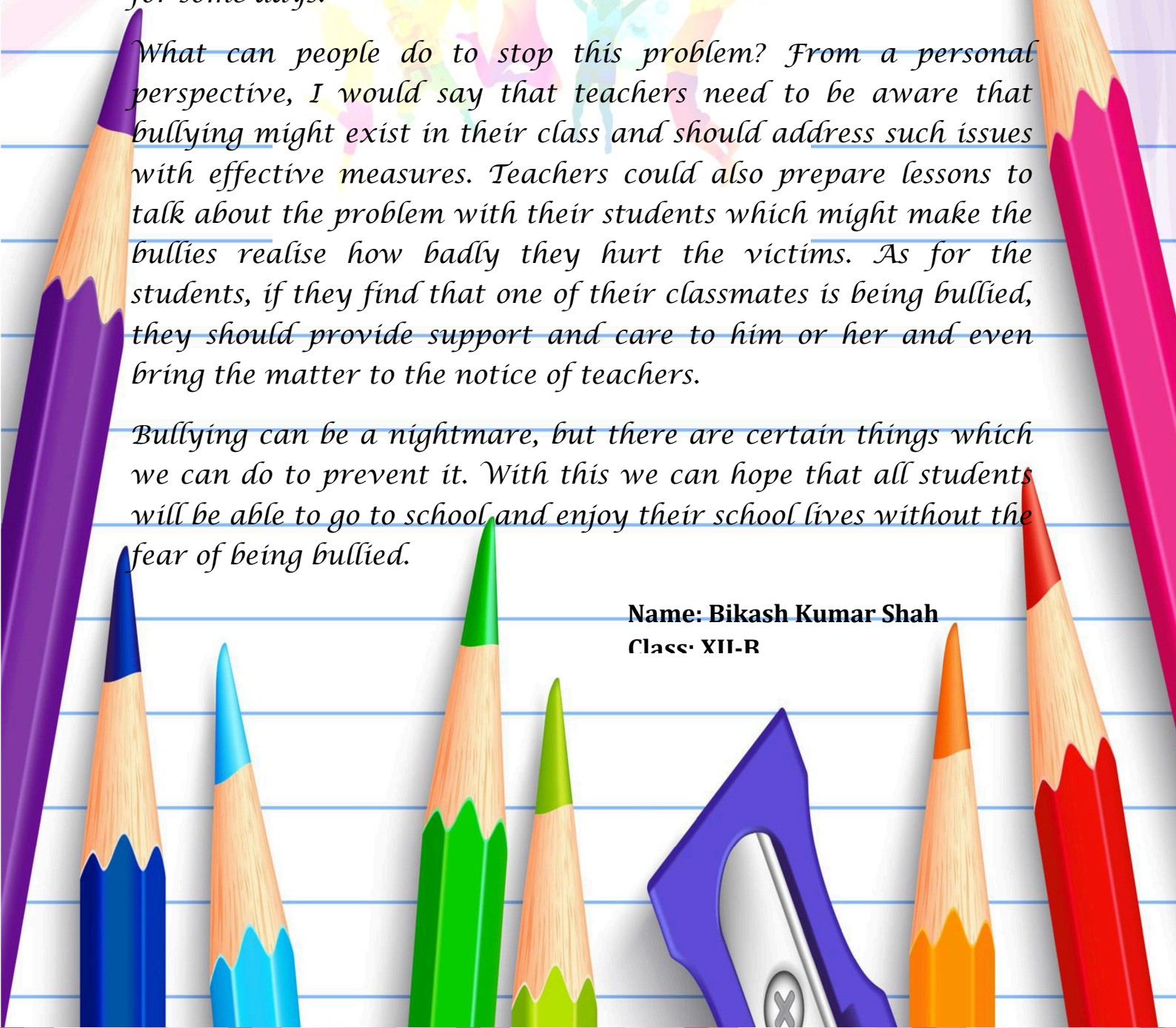

CLEANLINESS

Cleanliness is a habit of maintaining our body, home and surrounding neat and clean. It is an essential quality required to live a healthy life. There is a famous proverb which says 'Cleanliness is next to godliness'.

Maintaining personal cleanliness helps us stay refreshed. It helps us in protecting ourselves from harmful bacteria and thereby keep ourselves away from many diseases likely to attack due to dirty surroundings and polluted environment. It helps us to stay fit, and lead an active lifestyle.

Cleanliness helps in building good character by keeping body, mind and soul clean and peaceful. It reflects the inner beauty of a person. It helps in gaining confidence.

We must keep ourselves neat and clean every day. We should drink clean water, wear clean clothes, and maintain cleanliness in our homes and surroundings.

Cleanliness should be practiced from an early age. Teachers and parents should encourage children to practice cleanliness in their day-to-day lives from young age. Children should practice good habits like brushing teeth daily, bathing every day, washing hands before having food, cutting nails, etc. Everyone should inculcate the habit of cleanliness for maintaining a good health, clean environment and an ideal lifestyle.

Name: Sakshi Kumari
Class: VIII

No Winners Here

Human history is filled with events that shake the foundations of mankind. The bombardment of Hiroshima and Nagasaki in Japan by the USA with atomic bombs took so many lives that Japan immediately surrendered and the Second World War ended. The development of such weapons of mass destruction is part of the mad race for weapons in the world, which eventually leads to destruction.

War is not a game people play to win prizes or gain recognition for their skill. After one side surrenders, and a treaty is signed, one side does go home feeling like a winner. Both sides suffer irreplaceable losses. For this reason, there are no true winners in war.

Regardless of who wins according to who drops or surrenders first, both sides lose. Neither side wins because neither side was courageous enough to go about their disputes in a means other than war. They couldn't come to a consensus over how to solve their problems. Humans should act like humans and work out their problems through conversation instead of acting through violence because if they fail to do so, the consequences will be extremely unpleasant. In war, we always lose more than we gain. We may get what we went to war for in the first place, but in the process, we have lost so much that it just isn't worth it.

So many wars were fought which caused so much destruction in the name of the greater good of mankind, but what good does war bring? There are no survivors and no winners in a war. The perpetrators of war come with different selfish reasons to lead their countrymen to death, starvation and annihilation, just like Hitler did to Germany in the Second World War. War is not a solution to bring peace, just like a fire can't diminish fires. It will only increase its intensity. So we should always remember that violence begets violence and love begets love. So we should learn to coexist in peace and harmony for the continued sustenance of life on Earth.

J R Deva Dattan
Class X

ONLINE SAFETY

Technology moves so quickly & it is changing the way we live, work, and learn. Trends can change dramatically in the space of months. Teachers and studentswho are not regular users of the internet, and even some who do use the internet extensively, don't know what they don't know. Students and teachers alike are online more than ever before. Mostly, this is a great thing but problems can occur. A proactive approach and a little forward thinking can help dramatically online environment.

Keep your personal information private online. Sould not share online…Your full name,Address , Phone number,Passwords ,plans and birthday.

Don't add people as online friends unless you know them in real life or have parent permission. Never arrange to meet an online friend without talking to a parent.

Know what cyberbullying is and tell someone if you think it's happening to you. Cyberbullying is when someone picks on you, annoys, embarrasses, hurts, or threatens you repeatedly using technology, such as the internet.

Talk to your parents about what you're doing online and let them know when you're going on the internet.If anything you see online makes you feel uncomfortable, worried, sad, leave the site and talk to a trusted adult.

Think carefully when choosing your username for your online accounts and email address.

Be polite & respectful online just as you would be offline. Always treat others the way you like to be treated.

Avoid using the same password for all your accounts. You need to use a password that you can remember but is not easy to guess.

***All the best and be Cyber Smart*.**

Sabra Khan
PGT-CS
KV Rangapahar Cantt

SCIENCE RELATED COMPITITION EXAM REPORT

SESSION -2020-21

S.NO.	NAME OF EXAM	STUDENTS ENROLLED	STUDENTS APPEARED	POSITION
1	Inspire awards	05	05	1 student selected at regional level
2	Wild wisdom quiz	05	05	Nil
3	Technothlon junior group	-	-	Not conducted
4	Technothlon senior group	-	-	
5	Green olympiad	06	06	Nil
6	VSSF SPOT	3	3	Certificate for all students
7	NCSC 2020 junior group	01	01	Participated at regional level
8	NCSC 2020 senior group	01	01	Participated at regional level
9	JNNSE 2020	01	01	Nil
10	Science exhibition cluster level	01	01	Nil
11	VVM	-	-	Not conducted
12	NTSE	10	09	2 Students Selected At I Level

© 2012 Incentive Publications, Inc. IP602-4 Science Savvy

DEPARTMENT OF SPORTS

SPORTS REPORT 2020-2021

- *Fit India movement organized from April 9 to 17 2020.*
- *Mental fitness week awareness March-April 2020*
- *International yoga day 21 June 2020*
- *MCQ based on international yoga day 2020*
- *Indigenous sports 29 July 2020*
- *Indigenous sports PTM 30 July 2020*
- *Role play on freedom fighter July 2020*
- *Health talk July 2020*
- *Virtual run august 2020*
- *Mental fitness talk august 2020*
- *Quiz competition based sports personality*
- *Quiz on road to Tokyo Olympic*
- *Virtual national sports day celebration August*

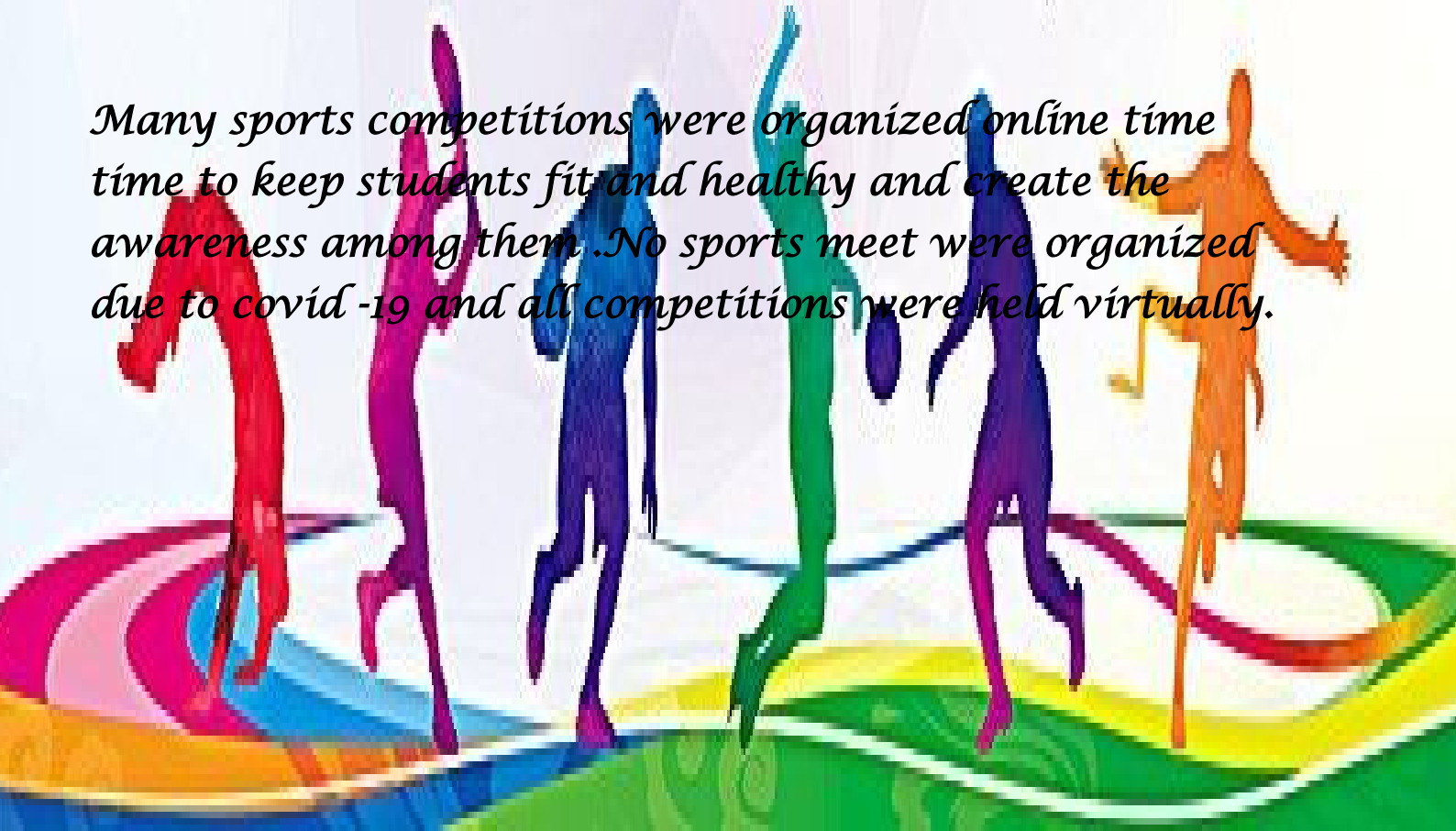

Many sports competitions were organized online time time to keep students fit and healthy and create the awareness among them .No sports meet were organized due to covid -19 and all competitions were held virtually.

DEPARTMENT OF MUSIC

MUSIC DEPARTMENT PROGRAM REPORT 2020

There have been many activities this year which are given below: -

- *Rms idol 2020 under it Sanchita from class vii ranked second & Suruchi Tiwari from class viii ranked third.*
- *Farewell celebrated.*
- *Grand parents day celebrated.*
- *Hindi pakhwada diwas celebrated.*
- *Cultural activities competition like – singing, dancing, fancy dress etc.*
- *Celebrated 15th august.*
- *Celebrated 2nd october.*
- *Celebrated natioanl sports day.*
- *Kala utsav 2020 in which Suruchi Tiwari from class ix had selected in classical vocal music for national and Siya from class ix selected in folk dance laavni for natioanl level.*
- *Christmas day celebrted.*
- *Celebrated 26th january.*
- *Women's day celebrated.*

DEPARTMENT OF LIBRARY

Kendriya Vidyalaya Rangapahar Library Media Centre has a wide collection of about 5649 well selected books and educational CD/DVD's in almost all subjects ranging from English/Hindi Fiction, Non-fiction, reference books, encyclopaedias, dictionaries etc. The Vidyalaya Library subscribes to leading newspapers and educational magazines, and also conducts many more activities such as storytelling, picture reading, book mark, essay writing competition, face A book Challenge, DEAR Programme, Gift a Book Get a Friend and creative writing etc to inculcate reading habit among students and teachers..

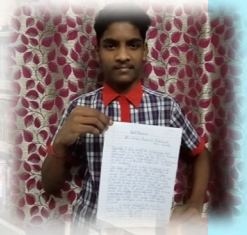

REPORT ON NCC ACTIVITIES (2020-21)

- The session 2020-21 started with the enrolment of the cadets from the class VIII and IX in the first year of Junior Division. At that time, we could manage to enroll all 25 cadets altogether (full quota).
- Like last session we have enrolled 05 girl cadet because our school unit is **sanctioned as mixed unit** because of which total **18 girl cadets** were enrolled in two years**.**
- For the first time after inception of NCC in this session we could manage to fill the **full quota** of NCC cades i.e. **50 (including 1st and 2nd year cadets).**
- Because of Covid 19 pandemic we had to conduct all the activities online. In this segment weekly activity classes and theory classes were conducted on every Wednesday and Saturday.
- The enrolment was also conducted online.
- This year highest number of cadets appeared in the "A" certificate exam which was conducted in the school premises only. Total 23 students appeared in the exam and about to receive the certificate.
- Throughout the year NCC cadets participated in different activities like Swatcha Bharat Abhiyan, Shram Dan, Fit India Movement, Ek Bharat Srestha Bharat Abhiyan, welcoming of chief guest on the Independence Day.

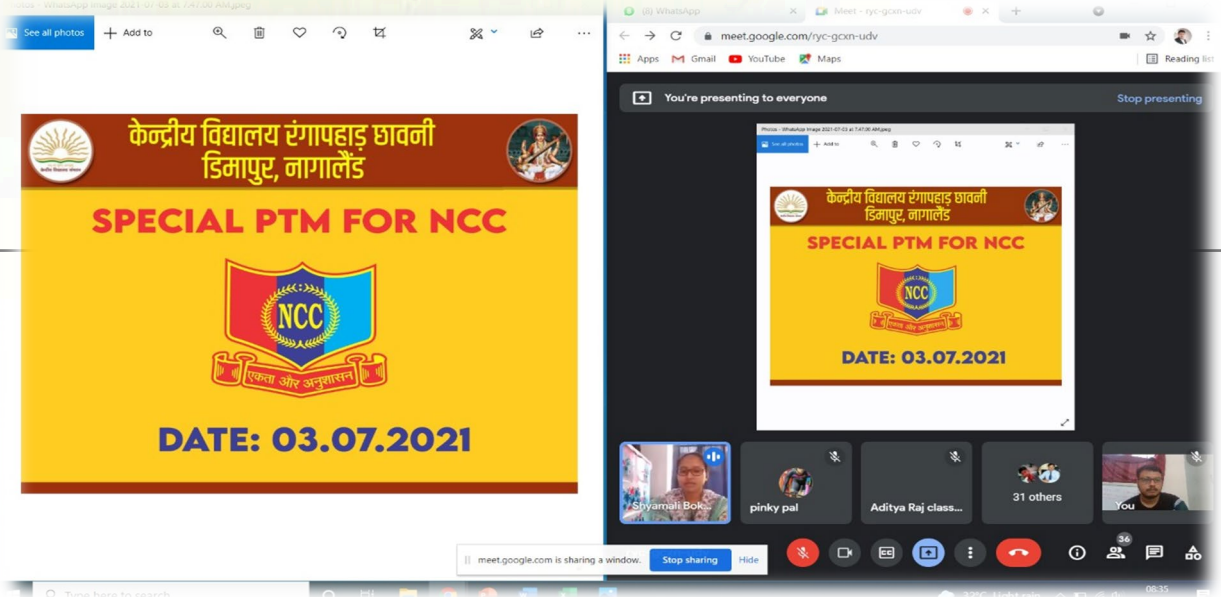

KENDRIYA VIDYALAYA
RANGAPAHAR CANTT

meet.google.com/dpk-uzjk-hwp?pli=1&authuser=0
SUMAN BISWAS
Alwin Abraham Abey...
Prasad Gundargi VIII ...
EIII Class_VIII Roll no...
SANTOSH VIII
10 others
Bidit Sharma class IX rollno 12
8:17 AM | dpk-uzjk-hwp

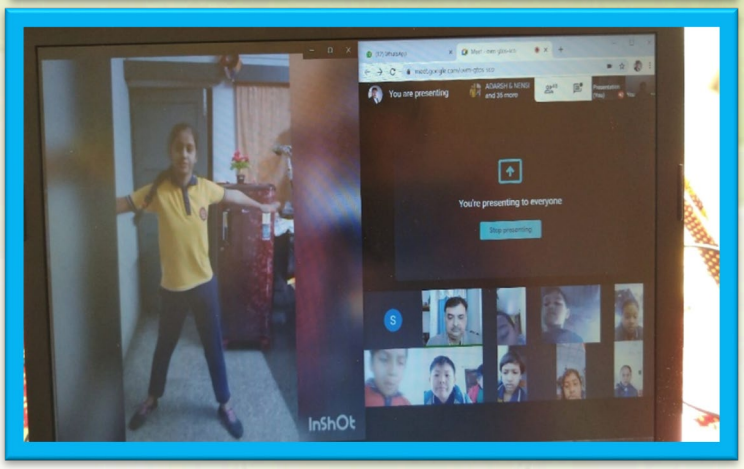
You are presenting
You're presenting to everyone
InShOt

KENDRIYA VIDYALAYA
RANGAPAHAR CANTT

REPORT OF BHARAT SCOUT & GUIDE(BS&G) ACTIVITIES (2020-21)

The Bharat Scout & Guide wing remained very active and full of spirit in spite of the challenges of online mode of education. A separate plan of action was immediately implemented keeping in view the changing scenario of teaching-learning process. Sufficient online periods were provided for the BS&G activities in the school time table prepared for the session.

A total of 45 students were enrolled in the BS&G wing during the session.

On every Wednesday, a separate morning assembly for the BS&G Wing was conducted in the online mode with all the necessary programs and activities. After the assembly, separate online classes specifically attributed to the BS&G activities laid down in the syllabus were conducted for the Scouts, Guides, Cubs and Bulbuls.

On every Saturday, during the general assembly session, the BS&G classes were conducted specifically attributed to the theory part of the syllabus.

Apart from this, all other BS&G programs and events were organized and celebrated even in the online mode with equal spirit and effort.

Students have successfully participated in various programs and drives initiated by the Vidyalaya wing like- plantation, poster making, awareness about Covid-19, daily good-turn at home, craft work etc.

PTM REPORT OF 2020-21

Parent-teacher Meeting (PTM) is an integral part of teaching learning process for enhancing effectiveness of education delivery and feedback system. It provides the teachers an opportunity to share with the parents the academic progress of the students on basis of observations in classroom transactions, assessments, assignments, engagement in co-curricular activities, etc. It is only PTM that enables both parents and teachers connect together in a common platform and share their own observations that in turn benefit the children. During the session 2020-21, as everything was running in the online mode, it made easier to conduct PTMs whenever arises any necessity.

Online PTM's were conducted after every exam to update parents about the progress and performance of their wards.

For the better outcome separate PTMs were conducted for different standards in the following patterns:

i. PTM for class I to V
ii. PTM for classes VI to VIII
iii. PTM for IX & XI(A&B)
iv. PTM for X & XII(A&B)

Appropriate need-based actions are taken on the basis of the suggestions given by the parents during the PTM's as well as the observations of the teachers.

Besides the online PTMs, towards the end of the session, after the offline classes were resumed for senior secondary standards, a few offline PTMs were also conducted for these classes to discuss various pertinent issues including- curriculum, examination, students' performance, transport facilities, Covid-19 protocols related matters etc.

एक भारत श्रेष्ठ भारत
ऑनलाइन गतिविधियों की झलक

केंद्रीय विद्यालय रंगापहाड़, छावनी में "एक भारत श्रेष्ठ भारत" कार्यक्रम के अंतर्गत उत्तर प्रदेश राज्य की संस्कृति के विभिन्न पहलुओं को सुबह की सभा में ऑनलाइन प्रस्तुत किया जा रहा है, जिसमें छात्र और स्टाफ के सदस्य बहुत उत्साह के साथ सम्मिलित हुए यह कार्यक्रम केंद्रीय विद्यालय संगठन, तिनसुकिया संभाग द्वारा निर्देशित कैलेंडर के अनुसार आयोजित किया जाता है। साप्ताहिक दिन एक निश्चित गतिविधि के लिए तय किया गया है। इस कार्यक्रम की प्रमुख गतिविधियाँ उत्तर प्रदेश राज्य पर आधारित हैं जिसमें निबंध प्रतियोगिता, टॉकिंग ऑवर, समाचार, प्रश्नोत्तरी स्वच्छता / पानी की बचत/ प्लास्टिक के एकल उपयोग पर प्रतिज्ञा, सामुदायिक- गायन, भाषा संगम में पहचान / अनुवाद, मुहावरे/कहावत और परंपरा, संस्कृति, इतिहास पर वेबिनार पूरा कर लिया गया है। इन गतिविधियों के अलावा आगामी माह में छात्रों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, परियोजना नोट बुक, सांस्कृतिक प्रतियोगिता लोक / नृत्य /गीत संगीत साहित्य उत्सव- कविता पाठ, क्षेत्रीय लोक साहित्य का अनुवाद, आशु-भाषण, कविताएँ आदि की ऑनलाइन प्रस्तुति अपेक्षित हैं।

यहां पूरित गतिविधियों की झलकियाँ प्रस्तुत की गई हैं।

एक भारत श्रेष्ठ भारत

सितंबर माह -26.09.2020

स्वच्छता की शपथ

पृष्ठभूमि भाषा: हिन्दी- उत्तर प्रदेश

केंद्रीय विद्यालय रंगापहाड़ कैंट

"लखनऊ महोत्सव"

1. लखनऊ महोत्सव हर साल उत्तर प्रदेश की कला और संस्कृति को प्रदर्शित करने के लिए नवंबर माह में आयोजित किया जाता है और विशेष रूप से लखनवी तहज़ीब ' में ताकि पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सके।

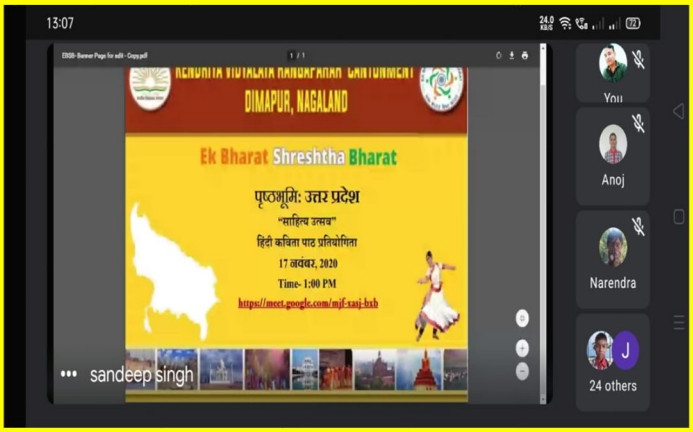

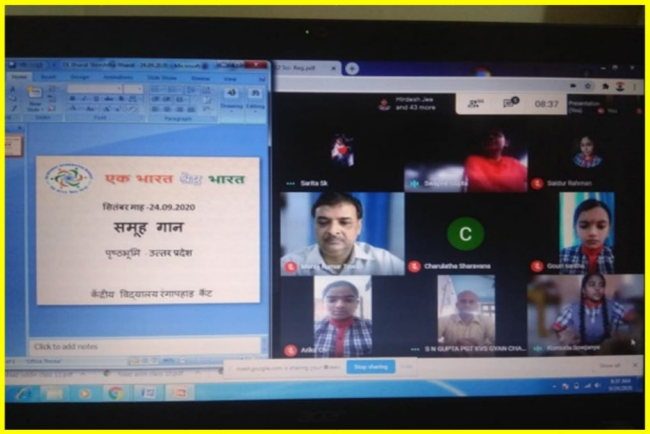

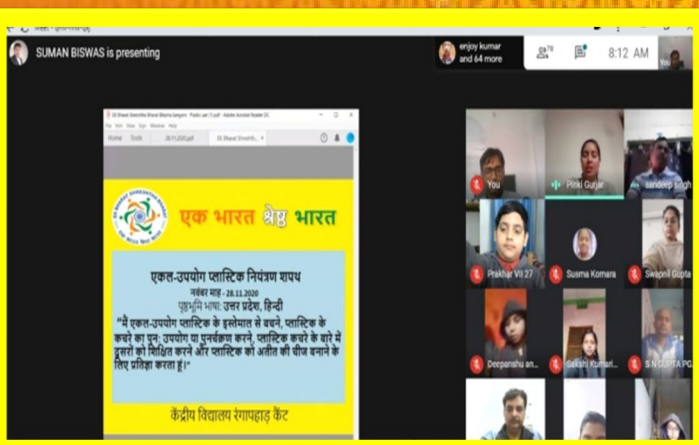

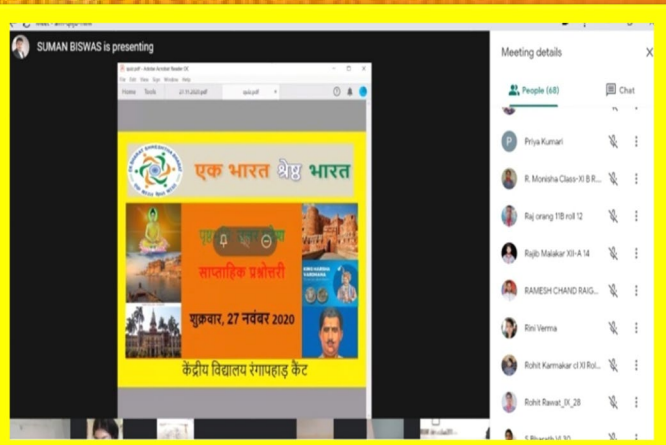

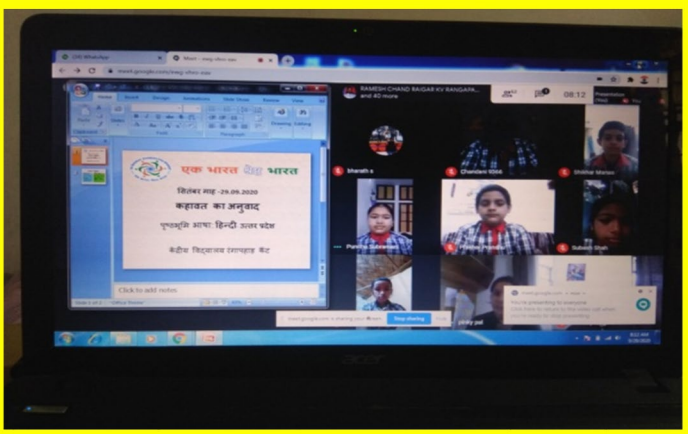

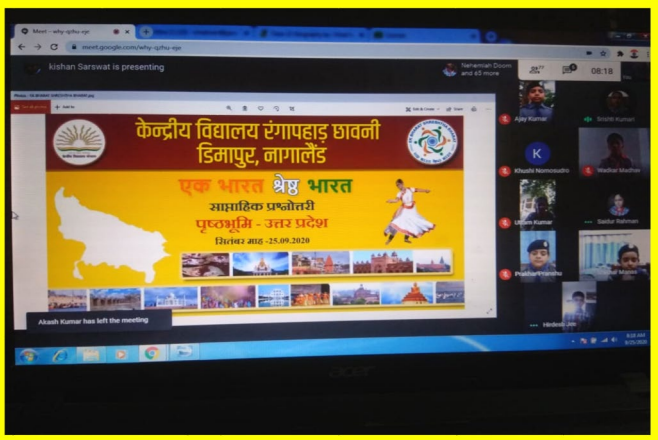

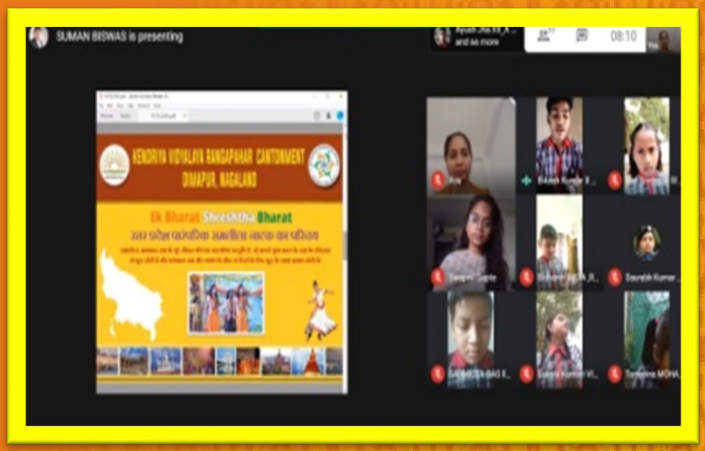
SUMAN BISWAS is presenting
KENDRIYA VIDYALAYA RANGAPAHAR CANTONMENT
DIMAPUR, NAGALAND
Ek Bharat Shreshtha Bharat

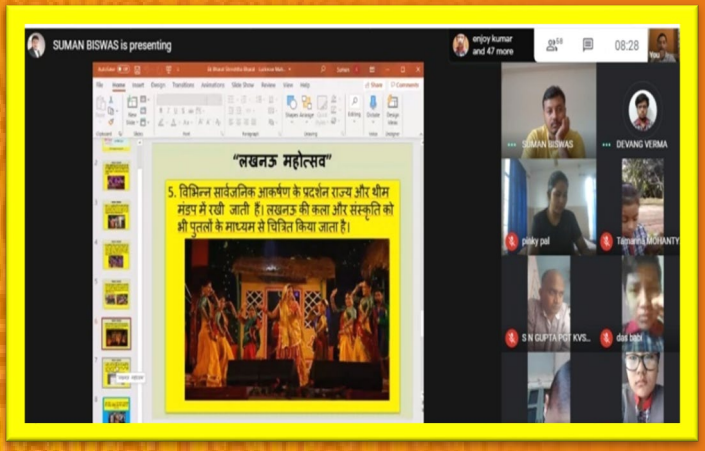
SUMAN BISWAS is presenting
"लखनऊ महोत्सव"
5. विभिन्न सार्वजनिक आकर्षण के प्रदर्शन राज्य और थीम मंडप में रखी जाती हैं। लखनऊ की कला और संस्कृति को श्री पुतलों के माध्यम से चित्रित किया जाता है।

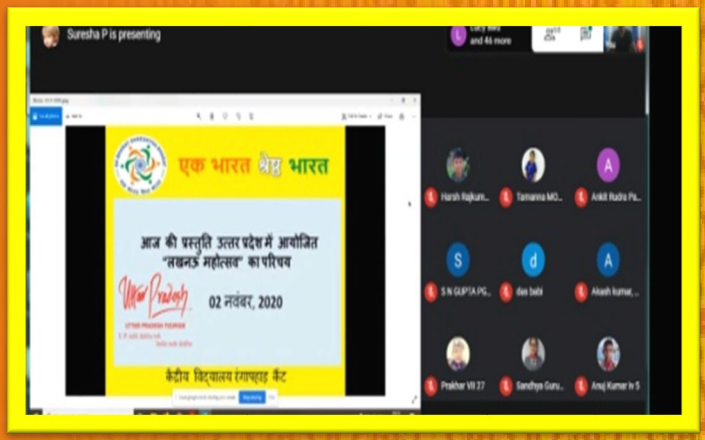
Suresha P is presenting
एक भारत श्रेष्ठ भारत
आज की प्रस्तुति उत्तर प्रदेश में आयोजित
"लखनऊ महोत्सव" का परिचय
02 नवंबर, 2020
केंद्रीय विद्यालय रंगापहाड़ कैंट

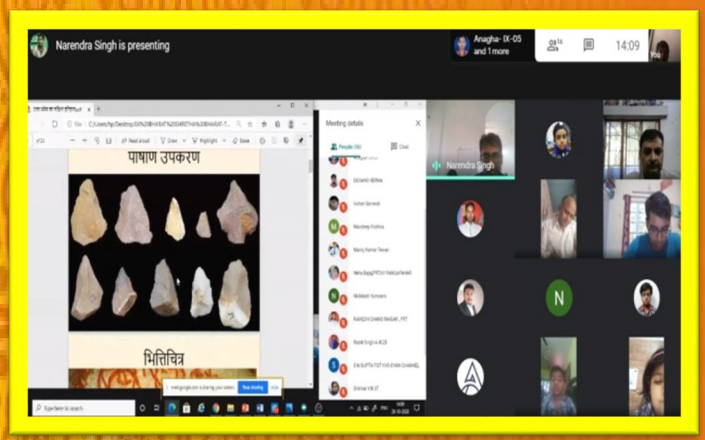
Narendra Singh is presenting
पाषाण उपकरण
भित्तिचित्र

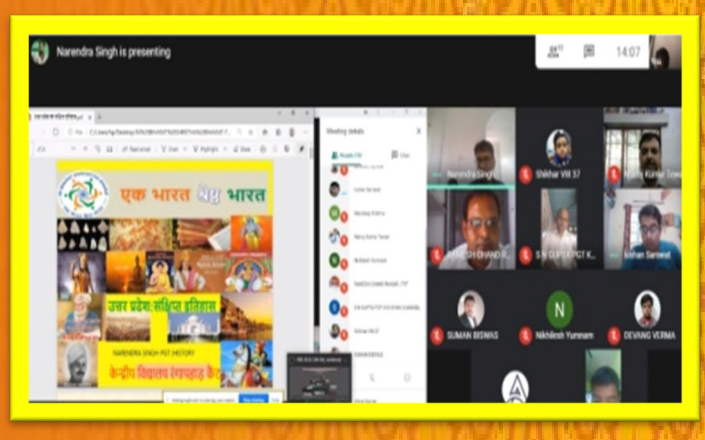
Narendra Singh is presenting
एक भारत श्रेष्ठ भारत
उत्तर प्रदेश संक्षिप्त इतिहास
केंद्रीय विद्यालय रंगापहाड़ कैंट

KENDRIYA VIDYALAYA RANGAPAHAR CANTONMENT
DIMAPUR, NAGALAND
Ek Bharat Shreshtha Bharat
COMMUNITY
SONG

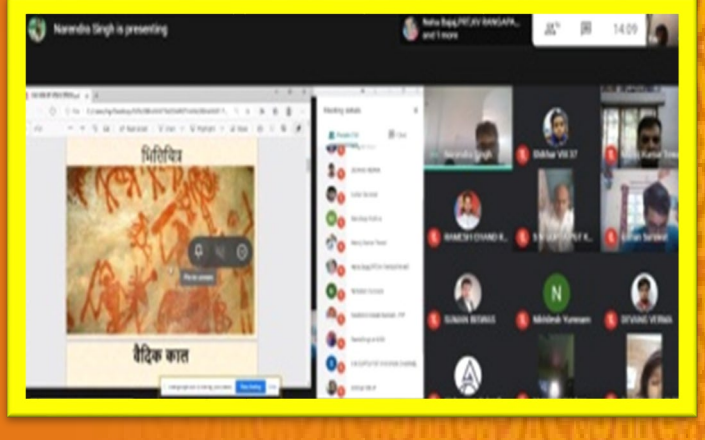
Narendra Singh is presenting
भित्तिचित्र
वैदिक काल

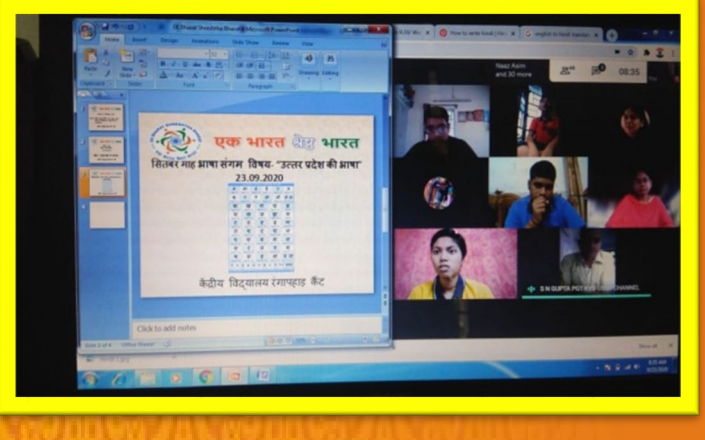
एक भारत श्रेष्ठ भारत
23.09.2020
केंद्रीय विद्यालय रंगापहाड़ कैंट

ART CORNER

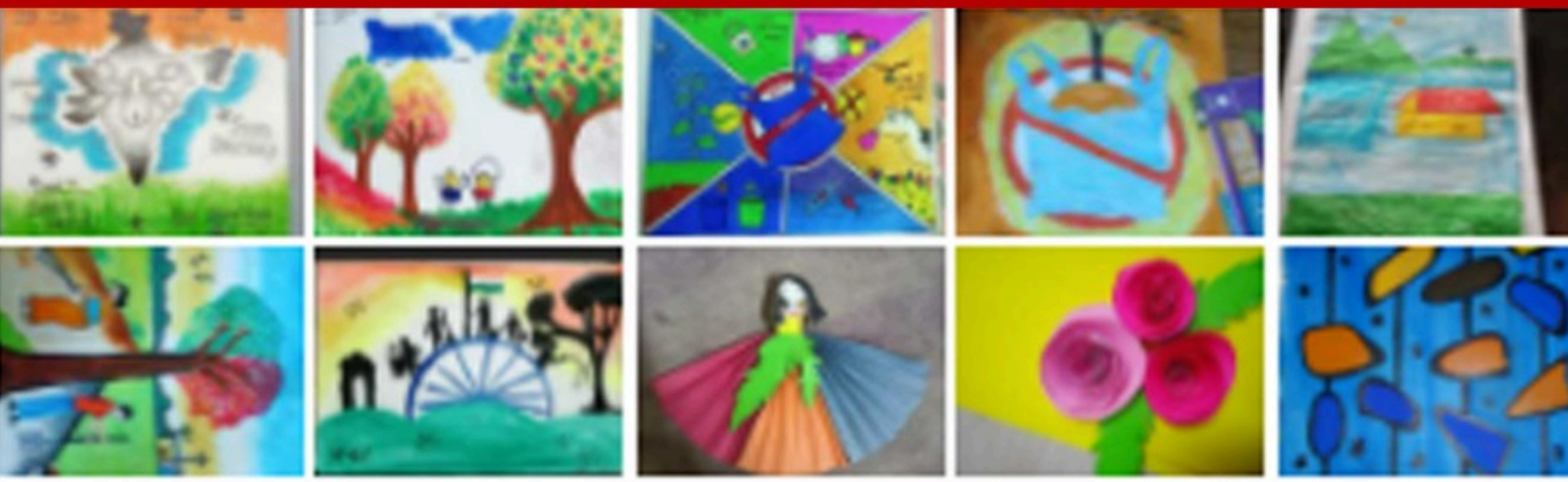

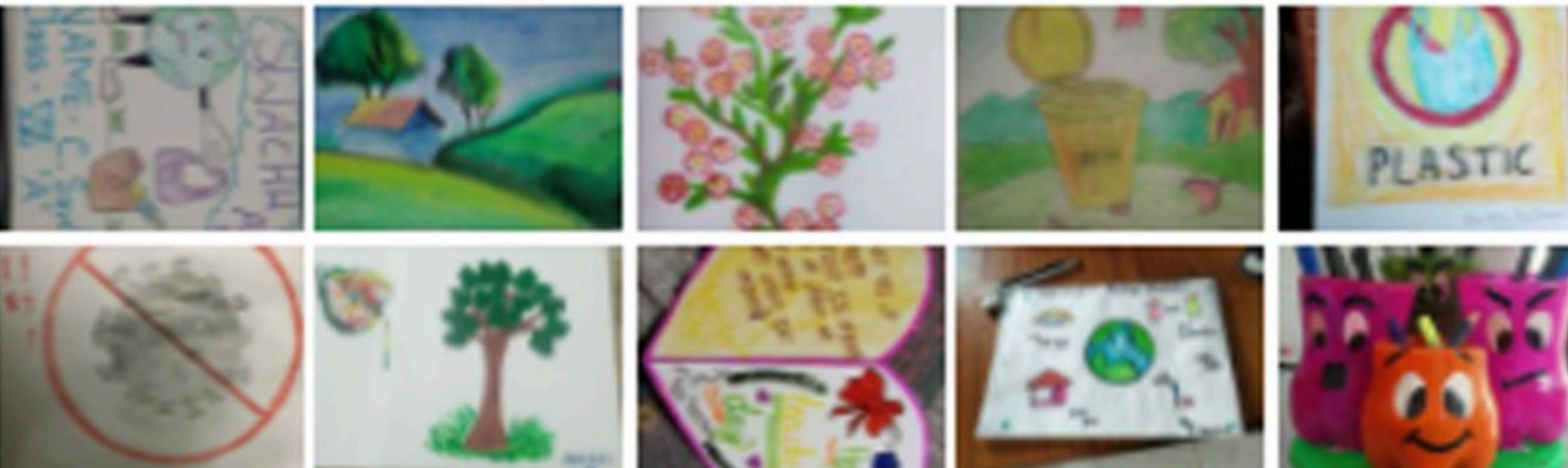

COVID - 19
Please Stay Home
Our Everyday HERO